



# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

fo/kk; h i f j f' k"V

Hkx-4] [k.M ¼k½

(परिनियत आदेश)

y[kuÅ] cġLi frokj] 17 fnl Ecj] 2020

vxqk; .k 26] 1942 'kd l Eor-

mRrj ċnš'k 'kkl u

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 1365/ग्यारह-2-20-9(42)-17-उ०प्र० जी०एस०टी० नियम-2017-आदेश-(168)-2020

लखनऊ, 17 दिसम्बर, 2020

अधिसूचना

i 0vk0&524

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्वारा उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 का अग्रतर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती हैं, अर्थात् :-

### उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (सैंतालीसवां संशोधन) नियमावली, 2020

1-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (सैंतालीसवां संशोधन) संक्षिप्त नाम और नियमावली, 2020 कही जायेगी। प्रारम्भ

(2) इस नियमावली में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, यह गजट में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

2-उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 (जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है), में नियम 8 में, उपनियम 4(क) के स्थान पर, तारीख 01 अप्रैल, 2020 से, नियम 8 का संशोधन निम्नलिखित उप-नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

"(4क) जहां कोई आवेदक, जो कि धारा 25 की उपधारा 6(घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न हो, आधार संख्या के अधिप्रमाणन के विकल्प का चयन करता है तो, उपनियम (4) के अधीन आवेदन प्रस्तुत करते समय, तारीख 21 अगस्त, 2020 से उसकी आधार संख्या का अधिप्रमाणन किया जायेगा और ऐसे मामलों में आवेदन प्रस्तुत किये जाने की तारीख, वह तारीख होगी, जो उसकी आधार संख्या के अधिप्रमाणन की तारीख या उपनियम (4) के अधीन प्ररूप जीएसटी आरईजी-01 के भाग ख में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से पंद्रह दिन बाद की तारीख, दोनों में से जो भी पूर्वतर हो।"

नियम 9 का  
संशोधन

3-उक्त नियमावली में, नियम 9 में, तारीख 21 अगस्त, 2020 से (i) उपनियम (1) में परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रख दिये जायेंगे, अर्थात्:-

“परंतु जहां कोई व्यक्ति, जो धारा 25 की उपधारा 6(घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न हो, नियम 8 के उपनियम (4क) में यथाविनिर्दिष्ट आधार संख्या के अधिप्रमाणन कराने की प्रक्रिया में विफल हो जाता है या आधार संख्या के अधिप्रमाणन के विकल्प का चयन नहीं करता है, तो उसका रजिस्ट्रीकरण, उस व्यक्ति की उपस्थिति में, नियम 25 के अधिन उपबंधित रीति से उसके कारबार के स्थान का भौतिक सत्यापन किये जाने के बाद, किया जायेगा;

परंतु यह और कि उचित अधिकारी, लिखित रूप में अभिलिखित किये जाने वाले कारणों से और ऐसे अधिकारी के अनुमोदन से, जो संयुक्त आयुक्त की श्रेणी से नीचे का न हो, कारबार के स्थान का भौतिक सत्यापन किये जाने के बदले में, ऐसे दस्तावेजों का सत्यापन कर सकता है जिन्हें वह ठीक समझे”;

(ii) उपनियम (2) में स्पष्टीकरण से पहले, निम्नलिखित परंतुक बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात्:-

“परंतु यह कि जहां कोई व्यक्ति, जो धारा 25 की उपधारा 6(घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न हो, नियम 8 के उपनियम (4क) में यथाविनिर्दिष्ट आधार संख्या के अधिप्रमाणन कराने की प्रक्रिया में विफल हो जाता है या आधार संख्या के अधिप्रमाणन के विकल्प का चयन नहीं करता है तो प्ररूप **जीएसटी आरईजी-03** में नोटिस, ऐसे आवेदन प्रस्तुत किये जाने की तारीख से इक्कीस दिन की अवधि के भीतर जारी किया जा सकेगा।”;

(iii) उपनियम (4) में, शब्द “करेगा” के स्थान पर शब्द “कर सकेगा” रख दिया जायेगा;

(iv) उपनियम (5) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

“(5) यदि उचित अधिकारी

(क) ऐसे मामलों में जहां किसी व्यक्ति के आधार संख्या का अधिप्रमाणन सफलता पूर्वक हो जाता है या वह धारा 25 की उपधारा 6(घ) के अधीन अधिसूचित हो, वहाँ आवेदन प्रस्तुत किये जाने की तारीख से तीन कार्य-दिवस की अवधि के भीतर; या

(ख) ऐसे मामलों में जहां कि कोई व्यक्ति, जो धारा 25 की उपधारा 6(घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति से भिन्न हो, नियम 8 के उपनियम (4क) में यथा विनिर्दिष्ट आधार संख्या के अधिप्रमाणन कराने की प्रक्रिया में विफल हो जाता है, वहाँ उपनियम (2) के परंतुक के अधीन विहित अवधि के भीतर;

(ग) ऐसे मामले में जहां ऐसे व्यक्ति ने आधार संख्या के अधिप्रमाणन कराने के विकल्प का चयन न किया हो, वहां आवेदन प्रस्तुत किये जाने की तारीख से इक्कीस दिन की अवधि के भीतर; या

(घ) उपनियम (2) के अधीन, आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरण, सूचना या दस्तावेजों की प्राप्ति की तारीख से सात कार्य दिवस के भीतर, कोई कार्यवाही करने में विफल हो जाता है तो रजिस्ट्रीकरण स्वीकृत किये जाने का आवेदन अनुमोदित किया गया माना जायेगा।”

नियम 25 का  
संशोधन

4-उक्त नियमावली में, नियम 25 में, तारीख 21 अगस्त, 2020 से, शब्द “असफल होने के कारण” के पश्चात शब्द “या आधार अधिप्रमाणन विकल्प का चयन न किये जाने के कारण” रख दिये जायेंगे।

नियम 46 का  
संशोधन

5-उक्त नियमावली में, नियम 46 में,-

(1) खण्ड (थ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड तारीख 30 सितम्बर, 2020 से बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

“(द) नियम 48 के उपनियम (4) के अधीन विहित रीति से बीजक जारी किए जाने के मामले में, इसमें बीजक सन्दर्भ संख्या (आई. आर. एन.) सन्निहित करने वाला त्वरित निर्देश कूट।”

(2) प्रथम परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित परंतुक तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि बोर्ड परिषद् की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा, निम्नलिखित रूप में विनिर्दिष्ट कर सकेगा :-

(i) माल या सेवाओं के लिए नामपद्धति कोड की सुमेलित प्रणाली के अंकों की संख्या, जिसे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग द्वारा उल्लिखित किया जाना अपेक्षित है; या

(ii) माल या सेवाओं की पूर्ति का कोई ऐसा वर्ग, जिसके लिए नामपद्धति कोड की सुमेलित प्रणाली के अंकों की विनिर्दिष्ट संख्या को, समस्त रजिस्ट्रीकृत करदाताओं द्वारा उल्लिखित किया जाना अपेक्षित होगा; और

(iii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग, जिससे माल या सेवाओं के लिए नामपद्धति कोड की सुमेलित प्रणाली का उल्लेख किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।”

6-उक्त नियमावली में, नियम 48 में खंड (4) में, तारीख 30 सितम्बर, 2020 से, निम्नलिखित परन्तुक बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात्:- नियम 48 का संशोधन

“परन्तु यह कि आयुक्त, परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचना द्वारा, ऐसी शर्तों और निर्बंधनों के अधीन रहते हुए, जो उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई हो, विनिर्दिष्ट अवधि के लिए इस उपनियम के अधीन बीजक जारी करने से किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग को छूट दे सकेगा।”

7-उक्त नियमावली में, नियम 59 के स्थान पर, तारीख 01 जनवरी, 2021 से, निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:- नियम 59 का संशोधन

“59.जावक पूर्तियों के ब्यौरे देने का प्ररूप और रीति - (i) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जो एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम 2017 (अधिनियम संख्या 13 सन् 2017) की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न हो और धारा 37 के अधीन माल या सेवा या दोनों के जावक पूर्तियों के ब्यौरे देने के लिए अपेक्षित हो, यथा स्थिति किसी मास के या तिमाही के लिए, **प्ररूप जीएसटीआर -1** में ऐसे ब्यौरे सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप में, या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से, प्रस्तुत करेगा।

(2) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसके द्वारा धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करना अपेक्षित हो, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को प्रदान किए गए माल या सेवा या दानों के ऐसे जावक पूर्तियों के ब्यौरे, जैसा वह आवश्यक समझे, तिमाही के पहले या दूसरे माह में, प्रत्येक माह में पचास लाख रुपये के संचयी मूल्य तक, बीजक प्रस्तुत करने की सुविधा का उपयोग करते हुए, (जिसे आगे इस अधिसूचना में “आई एफ एफ” कहा गया है) नियम 26 के अधीन विहित रीति से साम्यक रूप से अधिप्रमाणित, सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से, ऐसे मास के उत्तरवर्ती मास के पहले दिन से उस मास के 13वें दिन तक, प्रस्तुत कर सकता है।

(3) तिमाही के पहले और दूसरे माह में आई एफ एफ का उपयोग करते हुए प्रस्तुत किए गए जावक पूर्तियों के ब्यौरे उक्त तिमाही के लिए **प्ररूप जीएसटीआर-1** में प्रस्तुत किये जाने अपेक्षित नहीं होंगे।

(4) **प्ररूप जीएसटीआर-1** में प्रस्तुत किए गए माल या सेवा या दोनों के जावक पूर्तियों के ब्यौरों में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे-

(क) सभी के बीजकवार ब्यौरे -

(i) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को किया गया अन्तरराज्यिक और राज्यान्तर्गत पूर्तियाँ और

(ii) अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की गयी दो लाख पचास हजार रुपए से अधिक के बीजक मूल्य के साथ अन्तरराज्यिक पूर्तियाँ

(ख) सभी के समेकित ब्यौरे -

(i) प्रत्येक दर के कर के लिए अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गयी अन्तरराज्यिक पूर्तियाँ; और

(ii) प्रत्येक दर के कर के लिए अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गयी दो लाख पचास हजार रुपए तक बीजक मूल्य के साथ राज्यवार अन्तरराज्यिक पूर्तियाँ

(ग) पहले जारी किए गए बीजक के लिए, माह के दौरान, जारी किया गए विकलन या प्रत्यय पत्र, यदि कोई हो।

(5) आई एफ एफ का उपयोग करते हुए प्रस्तुत किए गए माल या सेवा या दोनों के जावक पूर्तियों के ब्यौरे में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे -

(क) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को की गयी अन्तरराज्यिक और राज्यान्तर्गत पूर्तियों के बीजकवार ब्यौरे

(ख) पहले जारी किए गए बीजक के लिए, माह के दौरान, जारी किए गए विकलन और प्रत्यय पत्र, यदि कोई हो।”

8-उक्त नियमावली में, नियम 60 के स्थान पर, तारीख 1 जनवरी, 2021 से, निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:- नियम 60 का संशोधन

“60. आवक पूर्तियों के अभिनिश्चित ब्यौरे का प्ररूप और रीति- (1) पूर्तिकर्ता द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर-1** में या आई एफ एफ का उपयोग करते हुए प्रस्तुत की गयी जावक पूर्तियों के ब्यौरे, संबंधित रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों (प्राप्तकर्ताओं) को यथास्थिति **प्ररूप जीएसटीआर 2क के भाग क में, प्ररूप जीएसटीआर 4क में और प्ररूप जीएसटीआर 6क में,** साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से, उपलब्ध कराए जाएंगे।

(2) नियम 63 के अधीन किसी अनिवासी कराधेय व्यक्ति द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर - 5** में प्रस्तुत की गयी विवरणी में बीजक के ब्यौरे, साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप में प्रत्येक के प्राप्तिकर्ता को **प्ररूप जीएसटीआर 2क के भाग क** में उपलब्ध कराए जाएंगे।

(3) नियम 65 के अधीन किसी इनपुट सेवा वितरक द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर - 6** में प्रस्तुत की गयी अपनी विवरणी में बीजक के ब्यौरे, साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप में प्रत्येक के प्राप्तिकर्ता को **प्ररूप जीएसटीआर 2क के भाग ख** में उपलब्ध कराए जाएंगे।

(4) धारा 39 की उपधारा (3) के अधीन **प्ररूप जीएसटीआर - 7** में कटौतीकर्ता द्वारा दिए गए स्रोत पर कटौती किए गए कर के ब्यौरे, साधारण पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से **प्ररूप जीएसटीआर - 2 क के भाग ग** में जिससे कटौती की गयी है को उपलब्ध कराए जाएंगे।

(5) धारा 52 के अधीन **प्ररूप जीएसटीआर - 8** में ई-वाणिज्य प्रचालक द्वारा दिए गए स्रोत पर एकत्र किए गए कर के ब्यौरे, साधारण पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से संबंधित व्यक्ति को **प्ररूप जीएसटीआर - 2क के भाग ग** में उपलब्ध कराए जाएंगे।

(6) प्रविष्टि के बिल पर माल के आयात या किसी विशेष आर्थिक परिक्षेत्र इकाई या किसी विशेष आर्थिक परिक्षेत्र विकासकर्ता से घरेलू टैरिफ क्षेत्र में प्रविष्टि के बिल पर लाए गए माल पर संदत्त एकीकृत कर के ब्यौरे साधारण पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से **प्ररूप जीएसटीआर - 2क के भाग घ** में उपलब्ध कराए जाएंगे।

(7) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को **प्ररूप जीएसटीआर - 2ख** में स्वतः तैयार किये गये इनपुट कर प्रत्येक के ब्यौरे साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से प्रत्येक माह के लिए उपलब्ध कराये जायेंगे और जिसमें निम्नलिखित ब्यौरे होंगे:-

(i) पूर्ववर्ती माह की **प्ररूप जीएसटीआर - 1** प्रस्तुत करने की नियत तारीख के ठीक पश्चात् की तारीख से चालू माह की **प्ररूप जीएसटीआर - 1** प्रस्तुत करने की नियत तारीख के बीच में उसके पूर्तिकर्ता, जो धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी देने के लिए अपेक्षित पूर्तिकर्ता से भिन्न है, द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर - 1** में प्रस्तुत किए गए जावक पूर्तियों के ब्यौरे,

(ii) **प्ररूप जीएसटीआर - 5** में अनिवासी कराधेय व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत बीजकों के ब्यौरे और **प्ररूप जीएसटीआर - 6** में इनपुट सेवा वितरक द्वारा अपनी विवरणी में प्रस्तुत बीजकों के ब्यौरे और उसका पूर्तिकर्ता, जो धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करने हेतु अपेक्षित हो, द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर - 1** में या आई एफ एफ का प्रयोग करके प्रस्तुत जावक पूर्तियों के ब्यौरे, जैसी भी स्थिति हो :-

(क) तिमाही के प्रथम मास के लिए, पूर्ववर्ती तिमाही के लिए **प्ररूप जीएसटीआर-1** प्रस्तुत करने की नियत तारीख के ठीक पश्चात् की तारीख से तिमाही के प्रथम मास के लिए आई एफ एफ का प्रयोग करते हुए ब्यौरे प्रस्तुत करने की नियत तारीख के बीच;

(ख) तिमाही के दूसरे मास के लिए, तिमाह के पहले मास के लिए आईएफएफ का उपयोग करते हुए ब्यौरे देने के नियत तारीख के ठीक पश्चात् की तारीख से तिमाही के दूसरे मास के लिए आई एफ एफ का उपयोग करते हुए ब्यौरे देने की नियत तारीख के बीच;

(ग) तिमाही के तीसरे मास के लिए, तिमाही के दूसरे मास के लिए आई एफ एफ का प्रयोग करते हुए ब्यौरे देने की नियत तारीख के ठीक पश्चात् की तारीख से तिमाही के लिए **प्ररूप जीएसटीआर - 1** प्रस्तुत करने की नियत तारीख के बीच;

(iii) मास में प्रविष्टि के बिल पर माल के आयात या किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र इकाई या किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र विकासकर्ता से घरेलू टैरिफ क्षेत्र में प्रविष्टि के बिल पर लाए गए माल पर संदत्त एकीकृत कर के ब्यौरे।

(8) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को प्रत्येक मास के लिए **प्ररूप जीएसटीआर - 2ख** में विवरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

(i) तिमाही के पहले और दूसरे मास के लिए, धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा आई एफ एफ में जावक पूर्तियों को प्रस्तुत करने की नियत तारीख के पश्चात् की तारीख, या किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो कि धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से भिन्न हो, द्वारा **प्ररूप जीएसटीआर - 1** में जावक पूर्तियों को प्रस्तुत करने की नियत तारीख के पश्चात् की तारीख, इसमें से जो भी पश्चात्पूर्ती हो;

(ii) तिमाही के तीसरे माह के लिए, धारा 39 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा उक्त माह की जावक पूर्तियों को **प्ररूप जीएसटीआर - 1** में प्रस्तुत करने की नियत तारीख के पश्चात् की तारीख से।

9-उक्त नियमावली में, नियम 61 में, उपनियम (5) के पश्चात्, तारीख 10 नवम्बर, 2020 से निम्नलिखित उप नियम बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

नियम 61 का संशोधन

“(6) एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम 2017 (अधिनियम संख्या 13 सन् 2017) की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न यथास्थिति प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति या इनपुट सेवा वितरक या अनिवासी कराधेय व्यक्ति या धारा 10 या धारा 51 या धारा 52 के अधीन कर देने वाला कोई व्यक्ति, उक्त कर अवधि के लिए **प्ररूप जीएसटीआर - 3ख** में विवरणी, साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से उत्तरवर्ती माह के 20वें दिन तक या उससे पहले प्रस्तुत करेगा:

परन्तु यह कि करदाता, जिसका पिछले वित्त वर्ष में 5 करोड़ रुपए तक का संकलित आवर्त है, जिसके कारबार का मुख्य स्थान छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश राज्य; दमण और दीव, और दादरा और नागर हवेली, पडुचेरी, अंडमान और निकोबारद्वीप समूह या लक्षदीपसंघ राज्यक्षेत्र में है, अक्टूबर, 2020 से मार्च, 2021 के माह के लिए उक्त नियम के तहत प्ररूप **जीएसटीआर - 3ख** में विवरणी, साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से, उक्त माह के अन्तरवर्ती माह के 22वें दिन तक या उससे पहले प्रस्तुत करेगा :

परन्तु यह और कि करदाता जिसका पिछले वित्त वर्ष में 5 करोड़ रुपए तक का संकलित आवर्त है जिसके कारबार का मुख्य स्थान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, असम, पश्चिमी बंगाल, झारखंड या ओडिशा राज्य, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, चंडीगढ़ या दिल्ली संघ राज्य क्षेत्रों में है, अक्टूबर, 2020 से मार्च, 2021 के माह के लिए, उक्त नियम के तहत प्ररूप **जीएसटीआर - 3ख** में विवरणी, साधारण पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से, उक्त माह के अन्तरवर्ती माह के 24वें दिन तक या उससे पहले प्रस्तुत करेगा।”

10-उक्त नियमावली में, नियम 61 के पश्चात्, तारीख 10 नवम्बर, 2020 से, निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जायेगा अर्थात्:-

नियम 61क का बढ़ाया जाना

“**61क. तिमाही विवरणी प्रस्तुत करने के लिए चयन की रीति.**- (1) धारा 39 की उपधारा (1) के परंतुक के अधीन तिमाही आधार पर विवरणी प्रस्तुत करने के लिए आशयित प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, इस संबंध में अधिसूचित शर्तों और निर्बंधनों के अनुसार तिमाही आधार पर विवरणी प्रस्तुत करने के लिए पूर्ववर्ती तिमाही के दूसरे मास के पहले दिन से उस तिमाही के, जिसके लिए चयन किया जाना है, उस तिमाही के पहले मास के अंतिम दिन तक इलेक्ट्रानिक रूप से सामान्य पोर्टल पर उसकी प्राथमिकता उपदर्शित करेगा :

परन्तु जहां एक बार ऐसे विकल्प का प्रयोग कर लिया गया है वहाँ उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति भविष्य कर अवधियों के लिए तिमाही आधार पर विवरणी प्रस्तुत करना जारी रखेगा, जब तक कि उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति,-

(क) इस संबंध में अधिसूचित शर्तों और निर्बंधनों के अनुसार तिमाही आधार पर विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपात्र नहीं हो जाता है; या

(ख) इलेक्ट्रानिक रूप से सामान्य पोर्टल पर मासिक आधार पर विवरणी प्रस्तुत करने का चयन करता है:

परन्तु यह और कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति तिमाही विवरणी प्रस्तुत करने का चयन करने के लिए पात्र नहीं होगा, यदि ऐसे विकल्प का प्रयोग करने की तारीख पर बकाया अंतिम विवरणी प्रस्तुत नहीं की गई है ।

(2) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसका चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सकल आवर्त पांच करोड़ रुपए से अधिक है, उस तिमाही, जिसके दौरान उसका सकल आवर्त 5 करोड़ रुपए से अधिक होता है, वह उत्तरवर्ती तिमाही के पहले मास से इलेक्ट्रानिक रूप में सामान्य पोर्टल पर मासिक आधार पर विवरणी प्रस्तुत करने का चयन करेगा ।

11-उक्त नियमावली में, नियम 61 के स्थान पर, तारीख 01 जनवरी, 2021 से निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

नियम 61 का संशोधन

“**61. विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति.**- (1) यथास्थिति, एकीकृत माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का 13) की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति या इनपुट सेवा प्रदाता या अनिवासी कराधेय व्यक्ति या धारा 10 अथवा धारा 51 या यथास्थिति धारा 52 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप में **प्ररूप जीएसटीआर-3ख** में विवरणी सामान्य पोर्टल के माध्यम से नीचे यथा विनिर्दिष्ट-

(i) धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन, प्रत्येक मास या उसके भाग के लिए ऐसी अवधि के उत्तरवर्ती मास के 20वें दिन को या उसके पहले प्रस्तुत करेगा ;

(ii) धारा 39 की उपधारा (1) के परंतुक के अधीन, प्रत्येक तिमाही या उसके भाग के लिए नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग के लिए, उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में उल्लिखित तारीख को या उसके पहले प्रस्तुत करेगा, अर्थात्:-

#### सारणी

क्रम सं.	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग	नियत तारीख
(1)	(2)	(3)
1	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिनके कारबार का मूल स्थान छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश राज्यों, दमण और दीव तथा दादरा और नागर हवेली, पुडुच्चेरी, अंदमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षदीप संघ राज्यक्षेत्रों में है।	ऐसी तिमाही के उत्तरवर्ती मास के बाइसवें दिन।
2	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिनके कारबार का मूल स्थान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, असम, पश्चिमी बंगाल, झारखंड या ओड़िसा राज्यों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, चंडीगढ़ या दिल्ली संघ राज्यक्षेत्रों में है।	ऐसी तिमाही के उत्तरवर्ती मास के चौबीसवें दिन।

(2) उपनियम (1) के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, धारा 49 के उपबंधों के अधीन रहते हुए कर, ब्याज, शास्ति, फीस या इस अधिनियम अथवा इस अध्याय के उपबंधों के अधीन संदेय किसी अन्य रकम के लिए इलैक्ट्रॉनिक नगद खाते या इलैक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते के विकलन द्वारा उसके दायित्वों का निर्वहन करेगा और विवरणी में ब्यौरे **प्ररूप जीएसटीआर-3ख** में सम्मिलित करेगा।

(3) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिससे उपनियम (1) के खंड (ii) के अधीन प्रत्येक तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करना अपेक्षित है, तिमाही के प्रत्येक पहले दो मास के उत्तरवर्ती मास के पच्चीसवें दिन तक **प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06** में उक्त रकम के निक्षेप द्वारा धारा 39 की उपधारा (7) के परंतुक के अधीन बकाया कर का संदाय करेगा:

परंतु आयुक्त, परिषद की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा कराधेय व्यक्तियों के ऐसे वर्ग के लिए जो उसमें अधिसूचित किए जाएं, **प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06** में उक्त रकम का निक्षेप करने के लिए नियत तारीख का विस्तार कर सकेगा :

परंतु यह और कि राज्य कर या संघ राज्य कर आयुक्त द्वारा अधिसूचित समय सीमा का कोई विस्तार आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया गया समझा जाएगा :

परंतु यह और भी कि **प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06** में निक्षेप करते समय ऐसा रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति -

(क) तिमाही के पहले मास के लिए, इलैक्ट्रॉनिक नगद खाते में अतिशेष को हिसाब में ले सकेगा ;

(ख) तिमाही के दूसरे मास के लिए, पहले मास के लिए बकाया कर को अपवर्जित करते हुए इलैक्ट्रॉनिक नगद खाते में अतिशेष को हिसाब में ले सकेगा।

(4) उपरोक्त उपनियम (3) के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा निक्षिप्त रकम **प्ररूप जीएसटीआर-3ख** में उक्त तिमाही के लिए विवरणी फाइल करते समय विकलित की जाएगी और इस प्रकार निक्षिप्त रकम में से इलैक्ट्रॉनिक नगद खाते में अतिशेष में पड़ी हुई ऐसी रकम के प्रतिदाय के किसी दावे को केवल उक्त तिमाही के लिए **प्ररूप जीएसटीआर-03ख** में विवरणी फाइल किए जाने के पश्चात् ही अनुज्ञात किया जाएगा।

12-उक्त नियमावली में, नियम 62 में, तारीख 10 नवम्बर, 2020 से

नियम 62 का संशोधन

(i) उपनियम (1) में, शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक "या अधिसूचना सं.-क0नि0-2-810/ग्यारह-9(47)/17-उ0प्र0 एक्ट-1-2017-आदेश-(38)-2019 तारीख 28 मई, 2019 के फायदे के उपभोग द्वारा कर का संदाय" निकाल दिये जायेंगे;

(ii) उपनियम (4) में, शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक "या अधिसूचना सं.-क0नि0-2-810/ग्यारह-9(47)/17-उ0प्र0 एक्ट-1-2017-आदेश-(38)-2019 तारीख 28 मई, 2019 के फायदे के उपभोग द्वारा" निकाल दिये जायेंगे ;

(iii) उपनियम (4) के स्पष्टीकरण में, शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक "या अधिसूचना सं.-क0नि0-2-810/ग्यारह-9(47)/17-उ0प्र0 एक्ट-1-2017-आदेश-(38)-2019 तारीख 28 मई, 2019 के फायदे के उपभोग द्वारा कर संदाय का चयन" निकाल दिये जायेंगे ;

(iv) उपधारा (6) निकाल दिया जाएगा ।

13-उक्त नियमावली में, नियम 67क के स्थान पर, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, निम्नलिखित नियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 67क का संशोधन

**"67क. अल्प संदेशकारी सेवा सुविधा द्वारा विवरणी या जावक प्रदायों के ब्यौरों को प्रस्तुत करने की रीति—**इस अध्याय में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से, जिससे कर अवधि के लिए, धारा 39 के अधीन प्ररूप **जीएसटीआर-3ख** में शून्य विवरणी, या धारा 37 के अधीन प्ररूप **जीएसटीआर-1** में जावक प्रदायों के शून्य ब्यौरों या प्ररूप **जीएसटी सीएमपी-8** में शून्य विवरण प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की जाती है, इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत करने के प्रति किसी निर्देश में रजिस्ट्रीकृत मोबाइल संख्या का प्रयोग करने वाली अल्प संदेशकारी सेवा के माध्यम से जावक प्रदायों की उक्त विवरणी या ब्यौरे या विवरण प्रस्तुत करना सम्मिलित होगा और जावक प्रदायों की उक्त विवरणी का किसी रजिस्ट्रीकृत मोबाइल संख्या आधारित वन टाइम पासवर्ड सुविधा द्वारा सत्यापन किया जाएगा ।

**स्पष्टीकरण—**इस नियम के प्रयोजन के लिए, जावक प्रदायों की शून्य विवरणी या उनके शून्य ब्यौरे या शून्य विवरण से किसी कर अवधि के लिए धारा 39 के अधीन विवरणी या धारा 37 के जावक प्रदायों के ब्यौरे या नियम 62 के अधीन विवरण अभिप्रेत होगा, जिसमें, यथास्थिति, प्ररूप **जीएसटीआर-3ख** या प्ररूप **जीएसटीआर-1** या प्ररूप **जीएसटी सीएमपी-8** की सभी सारणियों में कुछ नहीं है या कोई प्रविष्टि नहीं है"।

14-उक्त नियमावली में, नियम 80 में, उपनियम (3) में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित परंतुक रख दिया जाएगा, अर्थात्:-

नियम 80 का संशोधन

"परंतु वित्तीय वर्ष 2018-2019 और 2019-2020 के लिए, ऐसा प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसका कुल आवर्त पांच करोड़ रुपए से अधिक है, धारा 35 की उपधारा (5) के अधीन यथाविनिर्दिष्ट अपने लेखाओं की संपरीक्षा कराएगा और वह संपरीक्षित वार्षिक लेखाओं की प्रति उक्त वित्तीय वर्ष के लिए प्ररूप **जीएसटीआर-9ग** में या तो सीधे सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रॉनिक रूप से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केंद्र के माध्यम से सम्यकतः प्रमाणित समाधान विवरण प्रस्तुत करेगा ।"

15-उक्त नियमावली में नियम 138क में, तारीख 30 सितम्बर, 2020 से, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 138क का संशोधन

"(2) नियम 48 के उपनियम (4) के अधीन विहित रीति में बीजक जारी किए जाने के मामले में, बीजक निर्देश संख्या (आई. आर. एन.) सन्निहित करने वाले त्वरित निर्देश कूट को ऐसे कर बीजक की भौतिक प्रति के बदले उचित अधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए इलैक्ट्रॉनिक ढंग से प्रस्तुत किया जा सकेगा ।"

16-उक्त नियमावली में, नियम 138ड में, तीसरे परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक तारीख 20 मार्च, 2020 से रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

नियम 138 ड का संशोधन

"परंतु यह भी कि उक्त निर्बंधन 20 मार्च, 2020 से 15 अक्टूबर, 2020 की अवधि के दौरान उस दशा में लागू नहीं होगा, जहां, यथास्थिति, प्ररूप **जीएसटीआर-3ख** में विवरणी या प्ररूप **जीएसटीआर-1** में जावक प्रदायों का विवरण या प्ररूप **जीएसटी सीएमपी-8** में विवरण फरवरी, 2020 से अगस्त, 2020 की अवधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है ।"

नियम 142 का  
संशोधन

17-उक्त नियमावली में, नियम 142 में, उपनियम (1क) में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से

(i) शब्द "उचित अधिकारी करेगा" के स्थान पर शब्द "उचित अधिकारी कर सकेगा" रख दिया जायेगा ;

(ii) शब्द "संसूचित करेगा" के स्थान पर, शब्द "संसूचित" रख दिया जायेगा ।

प्ररूप

जीएसटीआर-1  
का संशोधन

18-प्ररूप जीएसटीआर -1 में,

(i) तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी, क्रम संख्या 12 के सामने, सारणी में, स्तंभ 6 में, शीर्षक में, शब्द "कुल मूल्य" के स्थान पर, शब्द "कर की दर" रख दिये जाएंगे।

(ii) तारीख 10 नवम्बर, 2020 से, अनुदेश में, क्रम संख्या 17 के पश्चात्, निम्नलिखित अनुदेश बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्:-

"18. उक्त नियमावली के नियम 46 के परंतुक के अधीन समय-समय पर जारी अधिसूचना द्वारा माल या सेवाओं के लिए उल्लिखित एचएसएन कोड के अंकों की संख्या को उन रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग के लिए निर्दिष्ट करना बाध्य होगा ।

प्ररूप

जीएसटीआर -  
2क का संशोधन

19-उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटीआर-2क के स्थान पर, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, निम्नलिखित प्ररूप रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

### प्ररूप जीएसटीआर-2क

[नियम 60(1) देखें]

#### स्वतः प्रारूपित पूर्तियाँ के ब्यौरे

(प्ररूप जीएसटीआर 1, जीएसटीआर 5, जीएसटीआर 6, जीएसटीआर 7, जीएसटीआर-8, माल का आयात और एस ई ज़ेड इकाइयों/ डेवलपरो द्वारा निर्मित माल के आयात से)

वर्ष				
माह				

1.	जीएसटीआईएन																		
2.	(क)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम																	
	(ख)	व्यापार नाम, यदि कोई हो																	

### भाग-क

(सभी सारणी में रकम रुपए में)

#### 3. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक पूर्तियाँ, प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली पूर्तियाँ सहित

पूर्तियाँ कर्ता का जीएसटी आईएन	व्यापार/ विधिक नाम	बीजक के ब्यौरे				दर (%)	कर योग्य मूल्य	कर की राशि				पूर्तियाँ का स्थान (राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम)	प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली आपूर्तियाँ (हाँ/ ना)	जी एस टी आर- 1/5 की अवधि	जी एसटी आर- 1/5 भरने की स्थिति (हाँ/ना)	जी एसटी आर- 3ख भरने की स्थिति (हाँ/ना)	संशोधन किया, यदि कोई हो (जीएस टीआई एन, अन्य)	कर अवधि जिसमें संशोधन किया	रद्दीकरण की प्रभावी तारीख, यदि कोई हो
		संख्या	प्रकार	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

#### 4. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक पूर्तियाँ जिसमें प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली आपूर्तियाँ शामिल हैं का संशोधन (3 का संशोधन)

मूल दस्तावेज का ब्यौरा		पुनरीक्षित ब्यौरे						दर (%)	कर योग्य मूल्य	कर की राशि				पूर्तियाँ का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)	प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली आपूर्तियाँ (हाँ/ना)	जीएसटी आर-1/5 की अवधि	जीएसटी आर-1/5 भरने की तारीख	जीएसटी आर-3 भरने की स्थिति (हाँ/ना)	संशोधन किया (जी एस टी आई एन, अन्य)	मूल दस्तावेज की कर अवधि	रद्दीकरण की प्रभावी तारीख, यदि कोई हो
		संख्या	तारीख	जीएसटी आई एन	व्यापार/विधिक नाम	संख्या	प्रकार			तारीख	मूल्य	एकीकृत कर	केंद्रीय कर								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22

#### 5. चालू कर अवधि के दौरान प्राप्त अतिशेष/जमापत्र

पूर्तियाँ-कर्ता का जीएसटीआईएन	पूर्तियाँ-कर्ता का व्यापार/विधिक नाम	अतिशेष/जमापत्र के ब्योरे					दर (%)	कर योग्य मूल्य	कर की राशि				पूर्तियाँ का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)	प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली आपूर्तियाँ (हाँ/ना)	जीएसटी आर-1/5 की अवधि	जीएसटी आर-1/5 भरने की तारीख	जीएसटी आर-3 भरने की स्थिति (हाँ/ना)	संशोधन किया, यदि कोई हो (जीएसटी आई एन, अन्य)	कर अवधि जिसमें संशोधन किया	रद्दीकरण की प्रभावी तारीख, यदि कोई हो
		संख्या	पत्र प्रकार	पत्र आपूर्ति का प्रकार	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

#### 6. अतिशेष/जमापत्र का संशोधन (5 का संशोधन)

मूल दस्तावेज का ब्योरा			पुनरीक्षित ब्योरे								दर (%)	कर योग्य मूल्य	कर की राशि				पूर्तियाँ का स्थान (राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम)	प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली आपूर्तियाँ (हाँ/ ना)	जीएसटी आर- 1/5 की अवधि	जीएसटी आर- 1/5 भरने की तारीख	जीएसटी आर- 3ख भरने की स्थिति (हाँ/ना)	संशोधन किया (जीएस टी आईएन, अन्य)	मूल दस्तावेज की कर अवधि	रद्दीकरण की प्रभावी तारीख, यदि कोई हो
प्रकार	संख्या	तारीख	पूर्तियाँ कर्ता का जीएसटी आई एन	व्यापार / विधिक नाम	संख्या	पत्र प्रकार	पत्र आपूर्ति का प्रकार	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	

## Hkx [k

## 7. प्राप्त आईएसडी प्रत्यय

आईएसडी का जीएसटी आई एन	पूर्तिकर्ता का व्यापार/विधिक नाम	आईएसडी दस्तावेज के ब्यौरे			आईएसडी बीजक ब्यौरे (केवल आईएसडी जमा पत्र के लिए)		संबंधित आईटीसी राशि				जीएसटी आर-6 की अवधि	जीएसटी आर-6 भरने की तारीख	संशोधन किया, यदि कोई हो	कर अवधि जिसमें संशोधन किया	आईटीसी की उपलब्धता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

## 8. आईएसडी प्रत्यय के ब्यौरे का संशोधन

मूल आईएसडी दस्तावेज के ब्यौरे			पुनरीक्षित ब्यौरे					मूल आईएसडी बीजक ब्यौरे (केवल आईएसडी जमा पत्र के लिए)		संबंधित आईटीसी राशि				आई एसडी जीएसटी आर-6 की अवधि	आई एसडी जीएसटी आर-6 भरने की तारीख	संशोधन किया	मूल दस्तावेज की कर अवधि	आई टीसी की उपलब्धता
प्रकार	संख्या	तारीख	आईएसडी का जीएसटी आई एन	व्यापार/विधिक नाम	प्रकार	संख्या	तारीख	संख्या	तारीख	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19

## Hkx x

## 9. प्राप्त टीडीएस और टीसीएस प्रत्यय (उसके संशोधनों सहित)

कटौतीकर्ता का जीएसटी आईएन/ई-वाणिज्यिक आपरेटर का जीएसटीआईएन	कटौतीकर्ता / ई-वाणिज्यिक आपरेटर का नाम	जीएसटीआर-7/जीएसटीआर-8 की कर अवधि (मूल/संशोधित)	प्राप्त राशि / सकल मूल्य (मूल/संशोधित)	आपूर्ति वापसी का मूल्य	टीसीएस के लिए निवल राशि	राशि (मूल/संशोधित)		
						एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
9क. टीडीएस								
9ख. टीसीएस								

## भाग घ

## 10. प्रवेश के बिल पर विदेशों से माल का आयात (उनके संशोधन सहित)

आइसगेट संदर्भ तारीख	प्रवेश के बिल के ब्यौरे				कर की राशि		संशोधित (हाँ/ना)
	पोत कोड	संख्या	तारीख	मूल्य	एकीकृत कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8

## 11. प्रवेश के बिल पर एसईजेड इकाइयों/ डेवलपरो से माल का आयात (उनके संशोधन सहित)

पूर्तिकर्ता का जीएसटी आईएन (एसईजेड)	व्यापार/विधिक नाम	आइसगेट संदर्भ तारीख	प्रवेश के बिल के ब्यौरे				कर की राशि		संशोधित (हाँ/ना)
			पोत कोड	संख्या	तारीख	मूल्य	एकीकृत कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

**निर्देश:**

- प्रयुक्त पद :-  
क-आइटीसी- इनपुट टैक्स क्रेडिट  
ख-आइएसडी - इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर
- महत्वपूर्ण सलाह : प्ररूप जीएसटीआर-2क एक ऐसा विवरण है जिसको आपके आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा उनके प्ररूप जीएसटीआर-1,5,6,7 या 8 में दी गयी जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है। यह एक परिवर्तनशील विवरण है और जिसे आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा किए गए नए योग/संशोधन के आधार पर लगभग वास्तविक समय में अद्यतन किया जाता रहता है। आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा जोड़े गए ब्यौरों को प्राप्तकर्ता के संबन्धित प्ररूप जीएसटीआर-2ए में दर्शाया जाता है, चाहे आपूर्तिकर्ता के द्वारा प्रस्तुत करने की तारीख कुछ भी हो।
- ऐसी स्थिति हो सकती है जहां कि, कर की लागू दर के प्रतिशत को सरकार के द्वारा अधिसूचित किया जाए। जहां ऐसी दर लागू हो वहाँ बीजक/दस्तावेजों के लिए अलग से एक कालम दिया जाएगा।
- तालिकावार निर्देश:

तालिका संख्या और शीर्षक	निर्देश
3-रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक पूर्तियाँ, प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली पूर्तियाँ सहित	<p>(i) इस तालिका में आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-1 और 5 में सहेजे / प्रस्तुत किए गए सभी बीजकों ( प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली बीजक सहित) के ब्यौरे आएंगे</p> <p>(ii) बीजक के प्रकार: क- आर- नियमित (एसईजेड आपूर्ति और डीमड एक्सपोर्ट से भिन्न) ख- एसईजेडडब्ल्यूपी - कर के भुगतान के साथ एसईजेड आपूर्ति ग-एसईजेडडब्ल्यूओपी- कर के भुगतान के बिना एसईजेड आपूर्ति घ-डीई - डीमड एक्सपोर्ट ड-सीबीडब्ल्यू - आईजीएसटी आकर्षित करने वाली अन्तः राज्य आपूर्ति।</p> <p>(iii) प्रत्येक बीजक के लिये प्ररूप जीएसटीआर -1/5 जिसमें उस बीजक को घोषित और प्रस्तुत किया गया है की अवधि और तारीख दी गई है। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा जोड़े गए ब्यौरों को प्राप्तकर्ता के संबन्धित प्ररूप जीएसटीआर-2ए में दर्शाया जाता है, चाहे आपूर्तिकर्ता के द्वारा प्रस्तुत करने की तारीख कुछ भी हो। उदाहरणार्थ, यदि आपूर्तिकर्ता अपने बीजक आईएनवी-1तारीख 10 नवम्बर, 2019 को अपने मार्च 2020 के प्ररूप जीएसटीआर-1 प्रस्तुत करता है तो ऐसे बीजक को मार्च 2020 के प्ररूप जीएसटीआर-2क में ही दर्शाया जायेगा। इसी प्रकार, यदि आपूर्तिकर्ता अपने नवंबर माह के प्ररूप जीएसटीआर -1 को 5 मार्च, 2020 को प्रस्तुत करता है तो ऐसी बीजक को प्राप्तकर्ता के नवम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर -2क में दर्शाया जायेगा।</p> <p>(iv) प्ररूप जीएसटीआर-1 के संबन्धित प्ररूप जीएसटीआर-3बी के प्रस्तुत किए जाने की वस्तुस्थिति भी दर्शायी जाएगी।</p> <p>(v) इस तालिका में यह भी दर्शाया जाएगा कि क्या आपूर्तिकर्ता ने किसी बीजक या अतिशेष पत्र (डेबिट नोट) में कोई संशोधन किया है, और यदि हाँ तो, वह कर अवधि जिसमें ऐसे बीजक का संशोधन किया गया, घोषित किया गया और प्रस्तुत किया गया। उदाहरणार्थ, यदि आपूर्तिकर्ता ने 10 नवम्बर, 2019 के बीजक आईएनवी -1 अपने नवम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत किया है, तो उसके इस बीजक को नवम्बर,</p>

	<p>2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क में दर्शाया जायेगा। यदि आपूर्तिकर्ता अपने दिसम्बर 2019के प्ररूप जीएसटीआर -1 में इस बीजक का संशोधन करता है, तो इस संशोधित बीजक को दिसम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर -2क की सारणी 4 में दर्शाया जाएगा। प्राप्तकर्ता के नवम्बर 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क की तालिका 3 में दिये गए मूल रेकार्ड में अब अद्यतन के कालम होंगे जिसमें किए गए संशोधन को (जीएसटीआईएन, अन्य) और संशोधन की कर अवधि जो की दिसम्बर 2019 है, को दर्शाया जाएगा।</p> <p>(vi) यदि आपूर्तिकर्ता ने अपना पंजीकरण रद्द करवा दिया है, तो प्रभावी रद्दीकरण तारीख भी दर्शायी जाएगी।</p>
4- रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक पूर्तियाँ जिसमें प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली पूर्तियाँ शामिल है का संशोधन (3 का संशोधन)	<p>i. इस तालिका में आपके पूर्तिकर्ता द्वारा उनके प्ररूप जीएसटीआर-1 और 5 में सहेजे /प्रस्तुत किए गए बीजकों ( प्रतिवर्ती प्रभार को आकर्षित करने वाली बीजक सहित) का संशोधन है।</p> <p>ii. मूलरूप से बीजक को दर्ज किए जाने वाली कर अवधि और संशोधन के प्रकार को भी बताया जायगा। उदाहरण के लिए, यदि पूर्तिकर्ता ने 10 नवम्बर, 2019 के बीजक आईएनवी-1, अपने नवम्बर, 2019 के जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत किया है, तो उसके इस बीजक को नवम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क में दर्शाया जायेगा। यदि पूर्तिकर्ता अपने दिसम्बर 2019 के जीएसटीआर-1 में इस बीजक का संशोधन करता है, तो इस संशोधित बीजक को दिसम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क की सारणी 4 में दर्शाया जाएगा। प्राप्तकर्ता के नवम्बर 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क की तालिका 3 में दिये गए मूल रेकार्ड में अब अद्यतन के कालम होंगे जिसमें किए गए संशोधन को (जीएसटीआईएन, अन्य) और संशोधन की कर अवधि जो की दिसम्बर 2019 है, को दर्शाया जाएगा।</p>
5-चालू कर अवधि में प्राप्त <b>अतिशेष/जमापत्र</b> (डेबिट / क्रेडिट नोट)	<p>i. इस तालिका में आपके आपूर्तिकर्ता द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-1 और 5 में सहेजे /प्रस्तुत किए गए क्रेडिट/डेबिट नोट (प्रतिवर्ती प्रभार आकर्षित करने वाले क्रेडिट/डेबिट नोट सहित) के ब्यौरे है।</p> <p>ii. यदि क्रेडिट/डेबिट नोट को बाद में संशोधित किया गया है, तो वह कर अवधि जिसमें नोट संशोधन किया गया है, भी दर्शायी जाएगी।</p> <p>iii. नोट के प्रकार:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• क्रेडिट नोट/ जमा पत्र</li> <li>• डेबिट नोट/ अतिशेष पत्र</li> </ul> <p>iv. नोट आपूर्ति के प्रकार:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ आर-नियमित (एसईजेड आपूर्ति और डीमड एक्सपोर्ट से भिन्न)</li> <li>○ एसईजेडडब्ल्यूपी - कर के भुगतान के साथ एसईजेड आपूर्ति</li> <li>○ एसईजेडडब्ल्यूओपी- कर के भुगतान के बिना एसईजेड आपूर्ति एसईजेड</li> <li>○ डीई - डीमड एक्सपोर्ट</li> <li>○ सीबीडब्ल्यू - आईजीएसटी आकर्षित करने वाली अन्तः राज्य आपूर्ति।</li> </ul> <p>v. प्रत्येक क्रेडिट या डेबिट नोट के लिये प्ररूप जीएसटीआर-1/5 की अवधि और तारीख दी गई है, जिसमें ऐसी क्रेडिट या डेबिट नोट को घोषित और प्रस्तुत किया गया है। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा दिये गए ब्यौरों को प्राप्तकर्ता के संबन्धित प्ररूप जीएसटीआर-2क में दर्शाया जायेगा, चाहे आपूर्ति कर्ता के द्वारा जीएसटीआर-1 प्रस्तुत किये जाने की तारीख कुछ भी हो। उदाहरणार्थ, यदि आपूर्तिकर्ता अपने क्रेडिट नोट सीएन-1 तारीख 10 नवम्बर, 2019 को अपने मार्च 2020 के प्ररूप जीएसटीआर-1 प्रस्तुत करता है तो ऐसे क्रेडिट नोट को मार्च 2020 के प्ररूप जीएसटीआर-2क में ही दर्शाया जायेगा। इसी प्रकार, यदि आपूर्तिकर्ता अपने नवंबर माह के प्ररूप जीएसटीआर-1 को 5 मार्च, 2020 को प्रस्तुत करता है तो ऐसी क्रेडिट नोट को प्राप्तकर्ता के नवम्बर, 2019 के प्ररूप जीएसटीआर-2क में दर्शाया जाएगा।</p>

	<p>vi. आपूर्तिकर्ता के संबंधित प्ररूप जीएसटीआर-3बी के प्रस्तुत किए जाने की वस्तुस्थिति भी दर्शायी जाएगी।</p> <p>vii. इस तालिका में यह भी दर्शाया जाएगा कि क्या आपूर्तिकर्ता ने किसी क्रेडिट नोट या डेबिट नोट में कोई संशोधन किया है और यदि हाँ तो वह कर अवधि जिसमें ऐसा क्रेडिट नोट या डेबिट नोट में संशोधन घोषित या प्रस्तुत किया गया है को दर्शाया जाएगा।</p> <p>viii. यदि आपूर्तिकर्ता ने अपना पंजीकरण रद्द करवा दिया है, तो प्रभावी रद्दीकरण तारीख भी दर्शायी जाएगी।</p>
6. डेबिट/ क्रेडिट नोट का संशोधन (5 का संशोधन)	<p>i. इस तालिका में आपके आपूर्तिकर्ता द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-1 और 5 में सहेजे /प्रस्तुत किए गए क्रेडिट/डेबिट नोट के संशोधन (प्रतिवर्ती प्रभार आकर्षित करने वाले क्रेडिट/डेबिट नोट सहित) के ब्यौरे हैं।</p> <p>ii. कर अवधि जिसमें नोट को मूलरूप से दर्ज किया गया था भी दर्शायी जाएगी।</p>
7. प्राप्त आईएसडी प्रत्यय	<p>i. इस तालिका में आईएसडी बीजक और आईएसडी क्रेडिट नोट का विवरण दिए गए हैं जिसे एक इनपुट सेवा वितरक ने अपने प्ररूप जीएसटीआर-6 में सहेजा/प्रस्तुत किया है।</p> <p>ii. कागजात के प्रकार,</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>आईएसडी बीजक</li> <li>आईएसडी क्रेडिट नोट</li> </ul> <p>iii. यदि आईएसडी बीजक जारी किए जाने के बाद आईएसडी क्रेडिट नोट जारी किया गया है, तो ऐसे क्रेडिट नोट के लिए मूल बीजक संख्या और तारीख भी दर्शाया जाएगा। यदि कागजात का प्रकार आईएसडी बीजक है, तो इन कॉलमों को खाली रखा जाएगा।</p> <p>iv. प्रत्येक आईएसडी बीजक या आईएसडी क्रेडिट नोट के लिए प्ररूप जीएसटीआर-6 की अवधि और तारीख प्रदान की जाएगी जिनमें संबंधित बीजक या क्रेडिट नोट को घोषित या प्रस्तुत किया गया हो।</p> <p>v. प्ररूप जीएसटीआर-6 में घोषित आईएसडी बीजक पर आईटीसी की पात्रता की वस्तुस्थिति भी प्रदान की जाएगी।</p> <p>vi. आईएसडी क्रेडिट नोट पर आईटीसी की पात्रता की वस्तुस्थिति भी प्रदान की जाएगी।</p>
8. प्राप्त आईएसडी प्रत्यय का संशोधन	<p>i. इस तालिका में आईएसडी बीजक और आईएसडी क्रेडिट नोट में संशोधन के विवरण दिए गए हैं जिसे एक इनपुट सेवा वितरक ने अपने प्ररूप जीएसटीआर-6 में सहेजा/प्रस्तुत किया है।</p>
9. प्राप्त टीडीएस / टीसीएस प्रत्यय	<p>i. इस तालिका में प्ररूप जीएसटीआर-7 और प्ररूप जीएसटीआर-8 से टीडीएस और टीसीएस प्रत्यय का विवरण और किसी कर अवधि के दौरान इसमें किए गए संशोधन दिए गए हैं।</p> <p>ii. सामान्य पोर्टल पर टीडीएस/टीसीएस प्रत्यय को स्वीकार / अस्वीकार करने के लिए एक अलग सुविधा दी जाएगी।</p>
10. और 11. विदेशों से, एसईजेड इकाइयों से और एसईजेड डेवलपर्स से 'प्रवेश के बिल' पर आयातित माल का विवरण और उनसे संबंधित संशोधन	<p>i. इस तालिका में विदेशों से, एसईजेड इकाइयों/एसईजेड डेवलपर्स से 'प्रवेश के बिल' पर आयातित माल पर आईजीएसटी भुगतान का विवरण और उससे संबंधित संशोधन दिए गए हैं।</p> <p>ii. आइसगेट में वह संदर्भ तारीख दी गई है जिस तारीख से प्राप्तकर्ता इनपुट टैक्स प्रत्यय के पात्र है।</p> <p>iii. तालिका में यह भी दिया गया है कि क्या 'प्रवेश के बिल' को संशोधित किया गया है।</p> <p>iv. सारणी में दी गई जानकारी आइसगेट के डाटा से प्राप्त सूचना के आधार पर दी गई है। कुछ आयात से संबंधित जानकारी जैसे कि कोरियर द्वारा आयात की जानकारी उपलब्ध नहीं होगी।</p>



प्ररूप-2ख  
का बढ़ाया  
जाना

20. प्ररूप-2क के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप, तारीख 10 नवम्बर, 2020 से, बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात्:-

“प्ररूप 2ख”

[नियम 60 (7) देखिए]

स्वतः प्रारूपित आईटीसी विवरण

(प्ररूप जीएसटीआर 1, जीएसटीआर 5, जीएसटीआर 6, जीएसटीआर और आईसगेट से प्राप्त आयात डाटा)

वर्ष				
माह				

1	जीएसटीआईएन																		
2	(क)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम																	
2	(ख)	व्यापार नाम, यदि कोई हो																	
2	(ग)	सृजित किये जाने की तारीख																	दिन/महीना/वर्ष समय HH:MM

3. आईटीसी का उपलब्ध सारांश

(सभी भागों में राशि रुपये में)

क्रम सं.	शीर्षक	जीएसटीआर एकीकृत केन्द्रीय राज्य/संघ राज्य कर (रु.)	उपकर (रु.)	परामर्श
		3ख सारणी	कर (रु.)	कर (रु.)
क्रेडिट जिसे प्रारूप जीएसटीआर-3ख के तहत लिया जा सकता है				
भाग क उपलब्ध आईटीसी - प्रारूप जीएसटीआर-3ख के संबंधित शीर्षक में क्रेडिट का दावा किया जा सकता है				
I	अन्य सभी आईटीसी-रिवर्स चार्ज से भिन्न अन्य आपूर्तियां, जो कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा की गयी हों	4(क) (5)		
				यदि यह धनात्मक (positive) है तो जीएसटीआर-3ख को सारणी 4(क)(5) के अंतर्गत क्रेडिट प्राप्त की जा सकती है। यदि यह ऋणात्मक (negative) है तो जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत क्रेडिट को वापस कर दिया जाएगा।
ब्यौरा	बी2बी- बीजक			
	बी2बी-डेविट नोट्स			
	बी2बी- बीजक (संशोधन)			
	बी2बी-डेविट नोट्स (संशोधन)			
II	आईएसडी से आंतरिक आपूर्तियां	4(क) (4)		
				यदि यह धनात्मक (positive) है तो जीएसटीआर-3ख को सारणी 4(क)(4) के अंतर्गत क्रेडिट प्राप्त की जा सकती है। यदि यह ऋणात्मक (negative) है तो जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत क्रेडिट को वापस कर दिया जाएगा।

ब्यौरा	आईएसडी---बीजक							
	आईएसडी---बीजक (संशोधन)							
III	रिवर्स चार्ज के लिए दायी (liable) आवक पूर्तियाँ	3.1(घ) 4(क) (3)						इन आपूर्तियों को कर के भुगतान के लिए जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में घोषित करना होगा। क्रेडिट को कर का भुगतान करने पर जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क)(3) के अंतर्गत प्राप्त किया जा सकता है।
ब्यौरा	बी2बी- बीजक							
	बी2बी-डेविट नोट्स							
	बी2बी- बीजक (संशोधन)							
	बी2बी-डेविट नोट्स (संशोधन)							
IV	माल का आयात	4(क) (1)						यदि यह धनात्मक (positive) है तो क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क)(1) के अंतर्गत प्राप्त किया जा सकता है। यदि यह ऋणात्मक (negative) है क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत वापस करना होगा।
ब्यौरा	आईएमपीजी-विदेश से माल का आयात							
	आईएमपीजी -(संशोधन)							
	आईएमजीएसईजैड-विशेष आर्थिक जोन (एसईजैड) से माल का आयात							
	आईएमजीएसईजैड - (संशोधन)							
भाग ख आईटीसी की वापसी- क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख के प्रासंगिक शीर्षक में वापस करना होगा।								
I	अन्य	4(ख) (2)						यदि यह धनात्मक (positive) है क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत वापस करना होगा। यदि यह ऋणात्मक (negative) है तो क्रेडिट का पुनः दावा किया जा सकता है वशर्ते कि पहले की ऐसी स्थिति में इसको वापस कर दिया गया हो।
ब्यौरा	बी2बी-क्रेडिट नोट्स							
	बी2बी-क्रेडिट नोट्स (संशोधन)							

बी2बी-क्रेडिट नोट्स (रिवर्स चार्ज)							
बी2बी-क्रेडिट नोट्स (रिवर्स चार्ज) (संशोधन)							
आईएसडी- क्रेडिट नोट्स							
आईएसडी- क्रेडिट नोट्स (संशोधन)							

## 4. आईटीसी उपलब्ध न होने का संक्षिप्त विवरण

(सभी खण्डों में राशि रु. में)

क्रम सं.	शीर्षक	जीएसटीआर 3ख सारणी	एकीकृत केन्द्रीय कर (रु.)	राज्य/ संघ कर (रु.)	राज्य कर (रु.)	उपकर (रु.)	परामर्श
क्रेडिट जिसे जीएसटीआर-3ख के तहत नहीं लिया जा सकता है							
भाग क आईटीसी उपलब्ध नहीं							
I	अन्य सभी आईटीसी-रिवर्स चार्ज से भिन्न अन्य आपूर्तियां, जो कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा की गयी हों	लागू नहीं					ऐसी क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा।
ब्यौरा	बी2बी- बीजक						
	बी2बी-डेविट नोट्स						
	बी2बी- बीजक (संशोधन)						
	बी2बी-डेविट नोट्स (संशोधन)						
II	आईएसडी से आवक पूर्तियाँ	लागू नहीं					ऐसी क्रेडिट को जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा।
ब्यौरा	आईएसडी--- बीजक						
	आईएसडी---संशोधन-- बीजक						
III	रिवर्स चार्ज के लिए दायी (liable) आवक पूर्तियाँ	3.1 (घ)					कर भुगतान के लिए इन आपूर्तियों की घोषणा जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में की जाएगी। यद्यपि, उस पर क्रेडिट नहीं होगा ।
ब्यौरा	बी2बी- बीजक						
	बी2बी-डेविट नोट्स						
	बी2बी- बीजक (संशोधन)						
	बी2बी-डेविट नोट्स (संशोधन)						
भाग ख आईटीसी की वापसी							
I	अन्य	4(ख) (2)					क्रेडिट को जीएसटी आर-3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत वापस किया जाएगा।
ब्यौरा	बी2बी-क्रेडिट नोट्स						
	बी2बी-क्रेडिट नोट्स (संशोधन)						
	बी2बी-क्रेडिट नोट्स (रिवर्स चार्ज)						

बी2बी-क्रेडिट नोट्स (रिवर्स चार्ज) (संशोधन)							
आईएसडी- क्रेडिट नोट्स							
आईएसडी- क्रेडिट नोट्स (संशोधन)							

निर्देश:

1. प्रयुक्त शब्दावली-

- क. आईटीसी – इनपुट टैक्स क्रेडिट
- ख. बी2बी – बिजनेस टू बिजनेस
- ग. आईएसडी – इनपुट्स सर्विस डिस्टिब्यूटर
- घ. आईएमपीजी – इम्पोर्ट ऑफ गुड्स
- ङ. आईएमपीजीएसईजैड – इम्पोर्ट ऑफ गुड्स फ्रोम एसईजैड

## 2. महत्वपूर्ण सलाह:

**(क)** प्ररूप जीएसटीआर-2ख एक ऐसा विवरण है जिसे आपूर्तिकर्ता द्वारा अपने संबंधित प्ररूप जीएसटीआर-1, 5, और 6 में प्रदान की गई जानकारी के आधार पर तैयार किया जाता है। यह एक अचल विवरण है और एक माह में एक बार उपलब्ध कराया जाएगा। आपूर्तिकर्ता द्वारा अपने संबंधित प्ररूप जीएसटीआर-1, 5 और 6 में से किसी में भी जो दस्तावेज संलग्न किये गये हैं, उसे संबंधित आपूर्तिकर्ता के फाइलिंग की तारीख के अगले प्ररूप जीएसटीआर-2ख में दर्शाया जाएगा। करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वो प्ररूप जीएसटीआर -2B का प्रयोग प्ररूप जीएसटीआर-3B में उपलब्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के लिये करें। हालांकि, अतिरिक्त ब्यौरे की स्थिति में, वे संबंधित प्ररूप जीएसटीआर-2क (जिसे वास्तविक समय के आधार अद्यतन किया जाता रहता है) में और अधिक ब्यौरों के लिए देख सकते हैं।

**(ख)** इनपुट टैक्स क्रेडिट को निम्नलिखित स्थितियों में उपलब्ध न हुआ दर्शाया जाएगा:-

i. माल या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति के उन बीजक या डेबिट नोट में, जहां सीजीएसटी एक्ट, 2017 की धारा 16 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसार प्राप्तकर्ता इनपुट टैक्स क्रेडिट का पात्र नहीं होता है।

ii. उन बीजक या डेबिट नोट में, जहां आपूर्तिकर्ता (जीएसटीआईएन) और आपूर्ति का स्थान एक ही राज्य में हो और प्राप्तकर्ता दूसरे राज्य में।

हालांकि ऐसी अन्य स्थितियां भी हो सकती हैं जहां करदाता को इनपुट टैक्स क्रेडिट उपलब्ध न हो पाता हो और उसे सिस्टम द्वारा भी तैयार न किया गया हो। वहां करदाता को अपना आंकलन स्वतः करना चाहिए और ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर -3ख में वापस कर देना चाहिए।

3. यह देखा जाना चाहिये कि प्ररूप जीएसटीआर -2ख में आपके संबंधित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा भरे गये सभी जीएसटीआर-1s, 5s और 6s हो सकते हैं, जो सामान्यतः संबंधित आपूर्तिकर्ता के द्वारा चुने गए विकल्प (मासिक या त्रैमासिक) के आधार पर दो लगातार जीएसटीआर-1 या आईएफएफ भरने की देय तारीख के बीच भरे गये हैं। जिस तारीख से संबंधित डाटा लिये गए हों उसे सीजीएसटीनियम में उल्लिखित है और ऑनलाइन पोर्टल पर "सलाह देखें" के अंतर्गत भी उपलब्ध करा दिया जाता है। उदाहरणार्थ फरवरी माह हेतु जीएसटीआर-2ख में वे सभी दस्तावेज होंगे जो कि उन आपूर्तिकर्ताओं द्वारा भरे गये होंगे जिन्होंने अपने जीएसटीआर-1 को मासिक आधार पर भरने का विकल्प चुना होगा, जो कि 12 फरवरी के 00:00 बजे से लेकर 11 मार्च के 23:59 बजे तक का होगा।

4. इसमें आइसगेटसिस्टम से प्राप्त माल के आयात से संबंधित जानकारी भी शामिल होगी जिसमें विशेष आर्थिक जोन इकाईयों से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़े भी शामिल होंगे।

5. यह नोट किया जाना चाहिए कि सेवाओं के आयात पर लगने वाले प्रतिवर्ती पूर्तियाँ कर का प्रत्यय का ब्यौरा इस विवरण में शामिल नहीं किया जाता है और इसे करदाताओं के द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-3 ख के सारणी 4(क)(2) में दर्शाया जाता रहेगा।

6. सारणी 3 में उस आईटीसी का संक्षिप्त विवरण होगा जो प्ररूप जीएसटीआर-2ख में उत्पन्न करने की तारीख तक उपलब्ध होगा। इसे निम्नलिखित 2 भागों में विभाजित किया गया है।

क. भाग क में उस क्रेडिट का संक्षिप्त विवरण होगा जिसे प्ररूप जीएसटीआर-3 ख की संबंधित सारणी में प्राप्त किया गया हो।

ख. भाग ख में उस क्रेडिट का संक्षिप्त विवरण होगा जिसे प्ररूप जीएसटीआर-3 ख की संबंधित सारणी में वापस किया जाना है।

7. सारणी 4 में उस आईटीसी का संक्षिप्त विवरण होगा जो प्ररूप जीएसटीआर-2ख में उत्पन्न करने की तारीख तक प्राप्त न किया गया हो। इस सारणी में उपलब्ध क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर-3 ख में क्रेडिट के रूप में प्राप्त नहीं किया जाएगा। परंतु रिवर्स चार्ज के आधार पर कर का भुगतान करने का दायित्व और क्रेडिट नोट्स की प्राप्ति पर क्रेडिट को वापस करने का दायित्व ऐसे आपूर्तिकर्ताओं पर बना रहेगा।

8. करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे यह सुनिश्चित रखें कि प्ररूप जीएसटीआर-2ख में उत्पन्न किया गया डाटा उनके रिकॉर्ड और बही खाते से मेल खाता हो। करदाता यह सुनिश्चित करेंगे कि-

क. किसी भी परिस्थिति में किसी भी दस्तावेज पर क्रेडिट दोबारा न लें।

ख. जहां भी जरूरी हो वहाँ क्रेडिट को वापस कर दिया जाए।

ग. रिवर्स चार्ज आधार पर कर का भुगतान अवश्य किया जाए।

9. बीजक, क्रेडिट नोट्स, डेविट नोट्स, आईएसडी बीजक, आईएसडी क्रेडिट और डेविट नोट्स, प्रविष्टि के बिल का ब्यौरा इत्यादि ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा और इसको डाउनलोड किये जाने की सुविधा भी होगी।

10. ऐसी भी स्थिति हो सकती है जहां कर की लागू दर का प्रतिशत भी सरकार के द्वारा अधिसूचित किया जाए। जहां ऐसी दर लागू हो वहां बीजक/दस्तावेजों में एक अलग से कॉलम की व्यवस्था होगी।

11. सारणीवार निर्देश :

सारणी सं. तथा शीर्षक	निर्देश
सारणी 3, भाग क, खण्ड I, अन्य सभी आईटीसी-रिवर्स चार्ज से भिन्न आपूर्तियां जो कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के द्वारा की गई हैं	<p>i. इस खण्ड में उन आपूर्तियों का ब्यौरा होगा (उनसे भिन्न जिन पर कर का भुगतान रिवर्स चार्ज के आधार पर किया जाना हो) जिनकी घोषणा कर दी गयी हो और आपके आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा प्ररूप जीएसटीआर -1 और 5 में जिन्हें दायर कर दिया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर इनपुट टैक्स क्रेडिट उपलब्ध हों।</p> <p>iii. ऋणात्मक क्रेडिट, यदि कोई हो तो, बी2बी, बीजक और डेविट नोट्स में संशोधन से हो सकती है। ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर -3ख की सारणी 4(ख)(2) में वापस कर दिया जाएगा।</p>
सारणी 3, भाग क, खण्ड II आईएसडी से आवक पूर्तियाँ	<p>i. इस खण्ड में उन आपूर्तियों का ब्यौरा दिया गया होता है जिसको कि किसी इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर के द्वारा घोषित किया गया है और उसे प्ररूप जीएसटीआर -6 में दायर किया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध हों।</p> <p>iii. ऋणात्मक क्रेडिट, यदि कोई हो तो, आईएसडी संशोधन-बीजक में संशोधन से हो सकती है। ऐसी क्रेडिट प्ररूप जीएसटीआर -3ख की सारणी 4(ख)(2) में वापस कर दिया जाएगा।</p>
सारणी 3, भाग क, खण्ड III आवक पूर्तियाँ जो कि रिवर्स चार्ज के प्रति दायी हो	<p>i. इस खण्ड में वे सभी आपूर्तियां आती हैं जिन पर कर का भुगतान रिवर्स चार्ज के आधार पर किया जाता है, जिसकी घोषणा आपके आपूर्तिकर्ता द्वारा की गयी हो और उसे प्ररूप जीएसटीआर-1 में दायर किया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध हों।</p> <p>iii. कर के भुगतान के लिए ऐसी आपूर्तियों की घोषणा प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में की जाएगी। कर के भुगतान पर क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क)(3) के अंतर्गत प्राप्त की जा सकती है।</p>
सारणी 3, भाग क, खण्ड IV माल का आयात	<p>i. इस खण्ड में आपके द्वारा भुगतान किये गये उस आईजीएसटी का ब्यौरा होता है जो कि विदेश या एसईजैड इकाईयों/डेवलपर्स से किये गये माल के आयात पर बिल ऑफ एन्ट्री और उसके संशोधन में किया गया हो। इस ब्यौरे को आइसगेट सिस्टम से निकटतम वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन किया जाता रहता है।</p>

	<p>ii. इस सारणी में उन आयात से संबंधित डाटा होंगे जो कि आप (जीएसटीआईएन) के द्वारा उस महीने में किया गया हो जिस महीने के लिए प्ररूप जीएसटीआर -2ख को तैयार किया जा रहा हो।</p> <p>iii. आइसगेट की संदर्भ तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख से प्राप्तकर्ता इनपुट टैक्स क्रेडिट को लेने का पात्र बनता है।</p> <p>iv. इस सारणी में यह भी बताया गया है कि किन बिल ऑफ एंट्री में संशोधन हुआ है।</p> <p>v. यह जानकारी आइसगेट से प्राप्त डाटा के आधार पर सारणी में दी जाती है। कोरियर आयात जैसे कतिपय आयातों से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकती है।</p>
सारणी 3, भाग ख, खण्ड I अन्य	<p>i. इस खण्ड में प्राप्त क्रेडिट नोट्स और उसके संशोधन का ब्यौरा होता है जिसकी घोषणा आपके आपूर्तिकर्ता द्वारा की गई होती है और उसको उसने अपने प्ररूप जीएसटीआर -1 और 5 में किया होता है।</p> <p>ii. ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर -3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत वापस कर दिया जाएगा। यदि यह मूल्य ऋणात्मक है तो क्रेडिट का पुनः दावा किया जा सकेगा बशर्ते कि उसको पहले किसी स्थिति में वापस कर दिया गया हो।</p>
सारणी 4, भाग क, खण्ड I, अन्य सभी आईटीसी-रिवर्स चार्ज से भिन्न आपूर्तियां जो कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के द्वारा की गई हों	<p>i. इस खण्ड में उन आपूर्तियों का ब्यौरा होगा (उनसे भिन्न जिन पर कर का भुगतान रिवर्स चार्ज के आधार पर किया जाना हो) जिनकी घोषणा कर दी गयी हो और आपके आपूर्तिकर्ताओं के द्वारा प्ररूप जीएसटीआर -1 और 5 में जिन्हें दायर कर दिया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं होती हैं।</p> <p>iii. यह केवल सूचना मात्र के लिए है और ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा।</p>
सारणी 4, भाग क, खण्ड II आईएसडी की आवक पूर्तियाँ	<p>i. इस खण्ड में उन आपूर्तियों का ब्यौरा दिया गया होता है जिसको कि किसी इनपुट सर्विस डिस्टीब्यूटर के द्वारा घोषित किया गया है और उसे प्ररूप जीएसटीआर-6 में दायर किया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं होती हैं।</p> <p>iii. यह केवल सूचना मात्र के लिए है और ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा।</p>
सारणी 4, भाग क, खण्ड III आवक पूर्तियाँ जो कि रिवर्स चार्ज के प्रति दायी हो	<p>i. इस खण्ड में उन आपूर्तियों का ब्यौरा होता है जो कि रिवर्स चार्ज के प्रति दायी होती हैं, जिनकी घोषणा आपके आपूर्तिकर्ता के द्वारा की गई होती है और उसने उसे अपने प्ररूप जीएसटीआर-1 में दायर किया होता है।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं होती हैं।</p> <p>iii. कर के भुगतान के लिए ऐसी आपूर्तियों की घोषणा प्ररूप जीएसटीआर -3ख की सारणी 3.1(घ) में की जाएगी। बहरहाल ऐसी आपूर्तियों पर क्रेडिट उपलब्ध नहीं होगी।</p>
सारणी 4, भाग ख, खण्ड I अन्य	<p>i. इस खण्ड में वे सभी आपूर्तियां आती हैं जिन पर क्रेडिट नोट की पावती एवं संशोधन हो और जिसकी घोषणा आपके आपूर्तिकर्ता द्वारा की गयी हो और उसे प्ररूप जीएसटीआर -1 एवं 5 में दायर किया गया हो।</p> <p>ii. इस सारणी में केवल वही आपूर्तियां दर्शायी जाती हैं जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं होती हैं।</p> <p>iii. ऐसी क्रेडिट को प्ररूप जीएसटीआर -3ख की सारणी 4(ख)(2) के अंतर्गत वापस कर दिया जाएगा।</p>

प्ररूप जीएसटीआर-5 का संशोधन

21-उक्त नियमावली में, **प्ररूप जीएसटीआर-5** में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से सारणी में,--

(क) क्रम संख्या 2 में, प्रविष्टि (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियां बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात्:-

"(घ)	एआरएन	स्वतः पूर्ण
(ङ)	एआरएन की तारीख	स्वतः पूर्ण ।";

(ख) क्रम संख्या 10 में,--

(अ) शीर्षक में, शब्द "कुल कर दायित्व" के पश्चात्, "(जिसमें प्रतिवर्ती प्रभार दायित्व, यदि कोई हो, भी है)" कोष्ठक और शब्द बढ़ा दिये जाएंगे;

(आ) क्रम संख्या 10ख और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :-

"10ग. प्रतिवर्ती प्रभार के लिए दायी आवक प्रदायों के कारण					
					।";

(ii) अनुदेशों में,--

(क) पैरा 7 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :--

"7. कर अवधि से संबंधित, बीजक स्तरीय सूचना, दर-वार, निम्नानुसार रिपोर्ट की जाए :--

(i) सभी ख से ख प्रदायों के लिए (चाहे अंतर-राज्यिक हो या अन्तरा-राज्यिक) बीजक स्तरीय ब्यौरे सारणी 5 में अपलोड किए जाने चाहिए ;

(ii) सभी अंतर-राज्यिक ख से ग प्रदायों के लिए, जहां बीजक मूल्य 2,50,000/- रुपए से अधिक है (ख से ग बृहत्त) बीजक स्तरीय ब्यौरे सारणी 6 में उपलब्ध कराए जाएं ; और

(iii) सभी ख से ग प्रदायों के लिए, उन प्रदायों से भिन्न, जो सारणी 6 में रिपोर्ट किए गए हैं, ऐसे प्रदायों का राज्यवार सारांश उपलब्ध कराने वाली, सारणी 7 में रिपोर्ट किए जाएंगे ;";

(ख) पैरा 8 में खंड (ii) में, शब्द "बीजक मूल्य से अधिक" के पश्चात्, शब्द "रूपये" बढ़ा दिये जायेंगे;

(ग) पैरा 10 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :--

"10. सारणी 10 में चालू कर अवधि में घोषित जावक प्रदायों के कारण कर दायित्व और चालू कर अवधि में माल के आयात में संशोधन के कारण नकारात्मक आईटीसी सम्मिलित है । आवक प्रदायों को, जिनको प्रतिवर्ती प्रभार लागू होता है, सारणी के भाग ग में रिपोर्ट किया जाएगा ।"

प्ररूप जीएसटीआर-5 का संशोधन

22-उक्त नियमावली में, **प्ररूप जीएसटीआर-5** में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी,--

(i) क्रम संख्या 4 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के सामने, निम्नलिखित प्रविष्टियां बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :--

"4(क) एआरएन ;

4(ख) एआरएन की तारीख : ";

(ii) क्रम संख्या 6 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--

**"6. ब्याज की संगणना, या कोई अन्य रकम**

(रकम रुपयों में)

क्रम सं०	विवरण	पूर्तियाँ का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र)	शोध रकम (ब्याज/अन्य)	
			एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5
1	ब्याज			
2	अन्य			
	योग			।

(iii) क्रम संख्या 7 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-- <b>"7. कर, ब्याज, या संदेय और संदत्त कोई अन्य रकम</b> <div style="text-align: right;">(रकम रुपयों में)</div> <table border="1"> <tr> <th rowspan="2">क्रम-सं0</th><th rowspan="2">विवरण</th><th colspan="2">संदेय रकम</th><th rowspan="2">नामे प्रविष्टि सं.</th><th colspan="2">संदत्त रकम</th></tr> <tr> <th>एकीकृत कर</th><th>उपकर</th><th>एकीकृत कर</th><th>उपकर</th></tr> <tr> <td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td></tr> <tr> <td>1.</td><td>कर दायित्व (सारणी 5 और 5क पर आधारित)</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>2.</td><td>ब्याज (सारणी 6 पर आधारित)</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>3.</td><td>अन्य (सारणी 6 पर आधारित)</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> </table>							क्रम-सं0	विवरण	संदेय रकम		नामे प्रविष्टि सं.	संदत्त रकम		एकीकृत कर	उपकर	एकीकृत कर	उपकर	1	2	3	4	5	6	7	1.	कर दायित्व (सारणी 5 और 5क पर आधारित)						2.	ब्याज (सारणी 6 पर आधारित)						3.	अन्य (सारणी 6 पर आधारित)					
क्रम-सं0	विवरण	संदेय रकम		नामे प्रविष्टि सं.	संदत्त रकम																																								
		एकीकृत कर	उपकर		एकीकृत कर	उपकर																																							
1	2	3	4	5	6	7																																							
1.	कर दायित्व (सारणी 5 और 5क पर आधारित)																																												
2.	ब्याज (सारणी 6 पर आधारित)																																												
3.	अन्य (सारणी 6 पर आधारित)																																												
<p>23-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटीआर-9</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी,-</p> <p>(i) सारणी में,--</p> <p>(क) क्रम संख्या 8ग के सामने, स्तंभ 2 में प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियां रख दी जायेंगी, अर्थात् :--</p> <p>" वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त, किंतु आगामी वित्तीय वर्ष में विनिर्दिष्ट अवधि तक उपभोग किए गए आवक पूर्तियाँ (आयातों और प्रतिवर्ती प्रभारों के लिए दायी आवक प्रदायों, किंतु जिसमें विशेष आर्थिक जोनों से प्राप्त सेवाएं भी हैं, से भिन्न) आवक प्रदायों पर आईटीसी ";</p> <p>(ख) भाग 5 के सामने, शीर्षक के स्थान पर, निम्नलिखित शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात् :--</p> <p>"आगामी वित्तीय वर्ष की विवरणियों में विनिर्दिष्ट अवधि तक घोषित वित्तीय वर्ष के लिए संव्यवहार की विशिष्टियां ।";</p> <p>(ii) अनुदेशों में,--</p> <p>(क) पैराग्राफ 2 पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जाएगी, अर्थात् -</p> <p>" 2क. सारणी में, क्रम संख्या 4 , 5, 6 और 7 के सामने करदाता केवल वित्तीय वर्ष से सम्बंधित मूल्यों को ही वर्णित करेगा । पिछले वित्तीय वर्ष से सम्बंधित मूल्यों का वर्णन यहाँ नहीं किया जायेगा ।"</p> <p>(ख) पैरा 4 में,--</p> <p>(अ) शब्द, अक्षर और अंक "वित्तीय वर्ष 2017-18 या वित्तीय वर्ष 2018-19" के पश्चात्, शब्द, अक्षर और अंक "या वित्तीय वर्ष 2019-20" रख दिये जाएंगे ;</p> <p>(आ) सारणी में, दूसरे स्तंभ में, अक्षर, शब्द और अंक "वित्तीय वर्ष 2017-18 और वित्तीय वर्ष 2018-19" जहाँ कहीं आये हों, के स्थान पर अक्षर, शब्द और अंक "वित्तीय वर्ष 2017-18, वित्तीय वर्ष 2018-19 और वित्तीय वर्ष 2019-20" रख दिये जायेंगे;</p> <p>(ग) पैरा 5 में, सारणी में, दूसरे स्तंभ में,--</p> <p>(अ) क्रम सं0 6ख के सामने, प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :--</p> <p>'वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति पूंजी माल के रूप में इनपुट कर दायित्व के विवरण की रिपोर्ट करेगा और उसके पास इनपुटों और इनपुट सेवाओं के रूप में शेष रकम के विवरण की रिपोर्ट करने का या केवल "इनपुट" पंक्ति के अधीन संपूर्ण शेष रकम की रिपोर्ट करने का विकल्प होगा ।';</p> <p>(आ) क्रम सं0 6ग और क्रम सं0 6घ के सामने,--</p> <p>(i) 'केवल "इनपुट" पंक्ति के अधीन संपूर्ण इनपुट कर प्रत्यय' के साथ समाप्त होने वाली प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :--</p> <p>'वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति पूंजी माल के रूप में इनपुट कर दायित्व के विवरण की रिपोर्ट करेगा और उसके पास इनपुटों और इनपुट सेवाओं के रूप में शेष रकम के विवरण की रिपोर्ट करने का या केवल "इनपुट" पंक्ति के अधीन संपूर्ण शेष रकम की रिपोर्ट करने का विकल्प होगा ।';</p> <p>(ii) शब्द, अंक और अक्षर "केवल सारणी 6ग और सारणी 6घ में सारणी घ" के साथ समाप्त होने वाली प्रविष्टि में, शब्द, अंक और अक्षर "वित्तीय वर्ष 2017-18 और वित्तीय वर्ष 2018-19" के स्थान पर, शब्द, अंक और अक्षर "वित्तीय वर्ष 2017-18, वित्तीय वर्ष 2018-19 और वित्तीय वर्ष 2019-20" रख दिये जायेंगे ;</p>																																													

प्ररूप  
जीएसटीआर-9 का  
संशोधन

	<p>(इ) क्रम संख्या 6ड के सामने, प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :-</p> <p>“वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति पूंजी माल के रूप में इनपुट कर प्रत्यय के ब्रेकअप को रिपोर्ट करेगा तथा उसके पास इनपुट तथा इनपुट सेवाओं के रूप में शेष रकम के ब्रेकअप को रिपोर्ट करने या “इनपुट” पंक्ति के अधीन संपूर्ण शेष रकम को रिपोर्ट करने का विकल्प होगा।”;</p> <p>(ई) प्रविष्टि में, क्रम संख्या 7क, 7ख, 7ग, 7घ, 7ड, 7च, 7छ और 7ज के सामने, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19”, के स्थान पर, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20”, रख दिये जायेंगे।</p> <p>(उ) क्रम संख्या 8क के सामने, प्रविष्टि के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :-</p> <p>“ वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, यह ध्यान दिया जाए कि 1 नवंबर, 2020 तक सृजित प्रारूप जीएसटीआर -2A का विवरण इस सारणी में स्वतः-जनित होगा।”</p> <p>(ऊ) क्रम संख्या 8ग के सामने, प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख दी जाएगी, अर्थात् :-</p> <p>“सभी आवक आपूर्ति (जिन पर कर रिवर्स चार्ज के आधार पर देय है, लेकिन एसईजेड से प्राप्त सेवाओं की आपूर्ति शामिल है को छोड़कर), वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त किए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट का सकल मूल्य, जिसके लिए वार्षिक रिटर्न दाखिल किया जा रहा है, लेकिन जिस पर क्रेडिट अगले वित्तीय वर्ष में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 16 (4) के अधीन निर्दिष्ट अवधि में लिया गया था।”</p> <p>(घ) पैरा 7 में,-</p> <p>(अ) शब्द और अंक “अप्रैल 2019 से सितंबर 2019”, के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और अंक बढ़ा दिये जायेंगे, अर्थात् :-</p> <p>“वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष हेतु भाग 5 संव्यवहारों की विशिष्टियों से मिलकर बना है किंतु अप्रैल 2020 से सितंबर 2020 के बीच प्ररूप <b>जीएसटीआर-3ख</b> में संदत्त किया गया है।”;</p> <p>(आ) सारणी में, दूसरे स्तंभ में,-</p> <p>(I) क्रम संख्या 10 और 11 के सामने, प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियां बढ़ा दी जायेंगी, अर्थात् :-</p> <p>“वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की विवरणियों में पहले ही घोषित प्रदायों में जोड़ या संशोधन के ब्यौरे किंतु अप्रैल 2020 से सितंबर 2020 के प्ररूप <b>जीएसटीआर-1</b> की सारणी 9क, सारणी 9ख और सारणी 9ग में प्रस्तुत ऐसे संशोधन यहां घोषित किए जाएंगे।”;</p> <p>(II) क्रम संख्या 12 के सामने, -</p> <p>(1) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2018-19”, से आरंभ होने वाली प्रविष्टि में, शब्द “इन ब्यौरों को भरने के लिए”, के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात् :-</p> <p>“वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, आईटीसी के प्रत्यागम का कुल मूल्य जो पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उपभोग किया गया था किंतु अप्रैल 2020 से सितंबर 2020 के मासों के लिए फाईल की गई विवरणियों में प्रत्यागमित कर दिया गया था, यहां घोषित किया जाएगा। प्ररूप <b>जीएसटीआर-3ख</b> की सारणी 4 (ख) इन ब्यौरों को भरने के लिए उपयोग की जा सकेगी। वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के पास इस सारणी को ना भरने का विकल्प होगा।”;</p> <p>(2) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2017-18”, से आरंभ होने वाली और शब्द “इस सारणी को ना भरने का विकल्प” से समाप्त होने वाली प्रविष्टि में, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19” के स्थान पर, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20” रखा दिये जायेंगे ;</p> <p>(III) क्रम संख्या 13 के सामने,-</p> <p>(1) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2018-19”, से आरंभ होने वाली प्रविष्टि में, शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए वार्षिक विवरणी में” के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी, अर्थात्:-</p>
--	---

<p>“वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में प्राप्त मालों और सेवाओं के लिए आईटीसी के ब्यौरे किंतु अप्रैल 2020 से सितंबर 2020 के मासों के लिए फाईल की गई विवरणियों में उसके लिए उपभोग की गई आईटीसी यहां घोषित की जाएगी। प्ररूप <b>जीएसटीआर-3ख</b> की सारणी 4 (क) इन ब्यौरों को भरने के लिए उपयोग की जा सकेगी। तथापि, कोई आईटीसी जिसका प्रत्यागम धारा 16 की उपधारा (2) के दूसरे परन्तुक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2019-20 में किया गया था किंतु वित्तीय वर्ष 2020-21 में उसका पुनः दावा किया गया था, ऐसी पुनः दावा की गई आईटीसी के ब्यौरे वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक विवरणी में प्रस्तुत किए जाएंगे।”;</p> <p>(2) शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2017-18”, से आरंभ होने वाली और शब्द “इस सारणी को ना भरने का विकल्प” से समाप्त होने वाली प्रविष्टि में, शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19” के स्थान पर अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20” रख दिय जायेंगे ;</p> <p>(ड) पैरा 8 में, सारणी में, दूसरे स्तंभ में, अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19”, जहां कहीं आते हैं, के स्थान पर, शब्द, अक्षर और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20” रख दिये जायेंगे।</p>																																																																		
<p>24-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटीआर-9ग</b> में, निर्देशों में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से</p> <p>(i) पैरा 4 में, सारणी के दूसरे स्तंभ में, अक्षर अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19”, जहां कहीं आते हैं, के स्थान पर शब्द, अक्षर और अंक “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20” रख दिया जायेंगे ;</p> <p>(ii) पैरा 6 में, सारणी में, दूसरे स्तंभ में, अक्षर अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19”, जहां कहीं आते हैं, के स्थान पर अक्षर, अंक और शब्द “वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20” रख दिये जायेंगे।</p>																																																																		
<p>25-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी आरएफडी-01</b> में, उपाबंध 1 में, कथन 2 में, शीर्ष में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से कोष्टक, शब्द और अक्षर “(संचित आईटीसी)” निकाल दिये जायेंगे।</p>																																																																		
<p>26-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी एसएमटी-16</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेंगी, अर्थात :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">क्र० सं०</th><th rowspan="2">कर की दर</th><th rowspan="2">आवर्त</th><th colspan="2">कर अवधि</th><th rowspan="2">अधिनियम</th><th rowspan="2">पीओएस (प्रदाय का स्थान)</th><th rowspan="2">कर</th><th rowspan="2">ब्याज</th><th rowspan="2">शास्ति</th><th rowspan="2">फीस</th><th rowspan="2">अन्य</th><th rowspan="2">योग</th></tr> <tr> <th>से</th><th>तक</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td><td>10</td><td>11</td><td>12</td><td>13</td></tr> <tr> <td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>योग</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>"</td></tr> </tbody> </table>													क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग	से	तक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13														योग												"
क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग																																																						
			से	तक																																																														
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13																																																						
योग												"																																																						
<p>27-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, प्रविष्टि (ग) के पश्चात्, सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी रख दी जायेंगी, अर्थात:-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">क्र० सं०</th><th rowspan="2">कर की दर</th><th rowspan="2">आवर्त</th><th colspan="2">कर अवधि</th><th rowspan="2">अधिनियम</th><th rowspan="2">पीओएस (प्रदाय का स्थान)</th><th rowspan="2">कर</th><th rowspan="2">ब्याज</th><th rowspan="2">शास्ति</th><th rowspan="2">फीस</th><th rowspan="2">अन्य</th><th rowspan="2">योग</th></tr> <tr> <th>से</th><th>तक</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td><td>10</td><td>11</td><td>12</td><td>13</td></tr> <tr> <td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>योग</td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>"</td></tr> </tbody> </table>													क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग	से	तक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13														योग												"
क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग																																																						
			से	तक																																																														
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13																																																						
योग												"																																																						

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-02 का संशोधन	28-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-02</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, प्रविष्टि (ग) के पश्चात् सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेगी, अर्थात :-												
	“क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि से तक		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	योग												"
प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07 का संशोधन	29-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, क्रम संख्या 5 के पश्चात्, सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी रख दी जायेंगी, अर्थात:-												
	“क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि से तक		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	योग												"
प्ररूप जीएसटी डीआरसी-08 का संशोधन	30-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-08</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, क्रम संख्या 7 के पश्चात्, सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेगी, अर्थात:-												
	“क्र० सं०	कर की दर	आवर्त	कर अवधि से तक		अधिनियम	पीओएस (प्रदाय का स्थान)	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	योग												"
प्ररूप जीएसटी डीआरसी-09 का संशोधन	31-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-09</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेगी, अर्थात:-												
	“अधिनियम		कर/उपकर		ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	योग				
	1		2		3	4	5	6	7				
	एकीकृत कर												
	केन्द्रीय कर												
	राज्य/संघराज्य क्षेत्र कर												
	उपकर												
	योग								"				
प्ररूप जीएसटी डीआरसी-24 का संशोधन	32-उक्त नियमावली में, <b>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-24</b> में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेगी, अर्थात:-												
	“अधिनियम		कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य शोध	कुल बकाया					
	1		2	3	4	5	6	7					
	केन्द्रीय कर												
	राज्य/संघराज्य क्षेत्र कर												
	एकीकृत कर												
	उपकर							"					

33-उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-25 में, तारीख 15 अक्टूबर, 2020 से, सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रख दी जायेगी, अर्थात:-							प्ररूप जीएसटी डीआरसी-25 का संशोधन
"अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य शोध	कुल बकाया	
1	2	3	4	5	6	7	
केन्द्रीय कर							
राज्य/संघराज्य क्षेत्र कर							
एकीकृत कर							
उपकर						"	

आज्ञा से,  
आलोक सिन्हा,  
अपर मुख्य सचिव।

IN pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government notification no. 1365 / XI-2-20-9(42)-17-U.P.GST Rules-2017-Order-(168)-2020, dated December 17, 2020 :

No. 1365 / XI-2-20-9(42)-17-U.P.GST Rules-2017-Order-(168)-2020,

*Dated Lucknow, December 17, 2020*

In exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017), the Governor, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules further to amend the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

**UTTAR PRADESH GOODS AND SERVICES TAX (FORTY SEVENTH AMENDMENT) RULES, 2020**

1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Forty Seventh Amendment) Rules, 2020. Short title and commencement

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force with effect from the date of their publication in the *Gazette*.

2. In the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 8, for sub-rule (4A), the following sub-rule shall be substituted with effect from 1<sup>st</sup> April, 2020, namely:- Amendment of rule 8

“(4A) Where an applicant, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, opts for authentication of Aadhaar number, he shall, while submitting the application under sub-rule (4), with effect from 21<sup>st</sup> August, 2020, undergo authentication of Aadhaar number and the date of submission of the application in such cases shall be the date of authentication of the Aadhaar number, or fifteen days from the submission of the application in Part B of FORM GST REG-01 under sub-rule (4), whichever is earlier.”

Amendment of  
rule 9

3. In the said rules, in rule 9, with effect from 21<sup>st</sup> August, 2020, -.

(i) in sub-rule (1), for the proviso, the following provisos shall be *substituted*, namely:-

“Provided that where a person, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, fails to undergo authentication of Aadhaar number as specified in sub-rule (4A) of rule 8 or does not opt for authentication of Aadhaar number, the registration shall be granted only after physical verification of the place of business in the presence of the said person, in the manner provided under rule 25:

Provided further that the proper officer may, for reasons to be recorded in writing and with the approval of an officer not below the rank of Joint Commissioner, in lieu of the physical verification of the place of business, carry out the verification of such documents as he may deem fit;”

(ii) in sub-rule (2), before the Explanation, the following proviso shall be inserted, namely: -

“Provided that where a person, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, fails to undergo authentication of Aadhaar number as specified in sub-rule (4A) of rule 8 or does not opt for authentication of Aadhaar number, the notice in FORM GST REG-03 may be issued not later than twenty one days from the date of submission of the application;”

(iii) in sub-rule (4), for the word, “shall”, the word “may” shall be *substituted*;

(iv) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be *substituted*, namely:-

“(5) If the proper officer fails to take any action, -

(a) within a period of three working days from the date of submission of the application in cases where a person successfully undergoes authentication of Aadhaar number or is notified under sub-section (6D) of section 25; or

(b) within the time period prescribed under the proviso to sub-rule (2), in cases where a person, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, fails to undergo authentication of Aadhaar number as specified in sub-rule (4A) of rule 8; or

(c) within a period of twenty one days from the date of submission of the application in cases where a person does not opt for authentication of Aadhaar number; or

(d) within a period of seven working days from the date of the receipt of the clarification, information or documents furnished by the applicant under sub-rule (2), the application for grant of registration shall be deemed to have been approved.”

Amendment of  
rule 25

4. In the said rules, in rule 25, with effect from 21<sup>st</sup> August, 2020, after the words “failure of Aadhaar authentication”, the words “or due to not opting for Aadhaar authentication” shall be *inserted*.

Amendment of  
rule 46

5. In the said rules, in rule 46,

(1) after clause (q), the following clause shall be *inserted* with effect from 30<sup>th</sup> September 2020 namely:-

“(r) Quick Reference code, having embedded Invoice Reference Number (IRN) in it, in case invoice has been issued in the manner prescribed under sub-rule (4) of rule 48.”

(2) for the first proviso, the following proviso shall be *substituted* with effect from 15<sup>th</sup> October, 2020 namely: -

“Provided that the Board may, on the recommendations of the Council, by notification, specify-

(i) the number of digits of Harmonised System of Nomenclature code for goods or services that a class of registered persons shall be required to mention; or

(ii) a class of supply of goods or services for which specified number of digits of Harmonised System of Nomenclature code shall be required to be mentioned by all registered taxpayers; and

(iii) the class of registered persons that would not be required to mention the Harmonised System of Nomenclature code for goods or services.”.

6. In the said rules, in rule 48, in sub-rule (4), the following proviso shall be *inserted* with effect from 30<sup>th</sup> September, 2020 namely:- Amendment of rule 48

“Provided that the Commissioner may, on the recommendations of the Council, by notification, exempt a person or a class of registered persons from issuance of invoice under this sub-rule for a specified period, subject to such conditions and restrictions as may be specified in the said notification.”

7. In the said rules, for rule 59, the following rule shall be *substituted* with effect from the 1<sup>st</sup> day of January, 2021 namely: - Amendment of rule 59

“59. Form and manner of furnishing details of outward supplies.- (1) Every registered person, other than a person referred to in section 14 of the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (13 of 2017), required to furnish the details of outward supplies of goods or services or both under section 37, shall furnish such details in **FORM GSTR-1** for the month or the quarter, as the case may be, electronically through the common portal, either directly or through a Facilitation Centre as may be notified by the Commissioner.

(2) The registered persons required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39 may furnish the details of such outward supplies of goods or services or both to a registered person, as he may consider necessary, for the first and second months of a quarter, up to a cumulative value of fifty lakh rupees in each of the months, - using invoice furnishing facility (hereafter in this notification referred to as the “IFF”) electronically on the common portal, duly authenticated in the manner prescribed under rule 26, from the 1<sup>st</sup> day of the month succeeding such month till the 13<sup>th</sup> day of the said month.

(3) The details of outward supplies furnished using the IFF, for the first and second months of a quarter, shall not be furnished in **FORM GSTR-1** for the said quarter.

(4) The details of outward supplies of goods or services or both furnished in **FORM GSTR-1** shall include the—

(a) invoice wise details of all -

(i) inter-State and intra-State supplies made to the registered persons; and

(ii) inter-State supplies with invoice value more than two and a half lakh rupees made to the unregistered persons;

(b) consolidated details of all -

(i) intra-State supplies made to unregistered persons for each rate of tax; and

(ii) State wise inter-State supplies with invoice value upto two and a half lakh rupees made to unregistered persons for each rate of tax;

(c) debit and credit notes, if any, issued during the month for invoices issued previously.

(5) The details of outward supplies of goods or services or both furnished using the IFF shall include the –

(a) invoice wise details of inter-State and intra-State supplies made to the registered persons;

(b) debit and credit notes, if any, issued during the month for such invoices issued previously.”.

8. In the said rules, for rule 60, the following rule shall be *substituted* with effect from the 1<sup>st</sup> day of January, 2021, namely: - Amendment of rule 60

“60. Form and manner of ascertaining details of inward supplies.-(1) The details of outward supplies furnished by the supplier in **FORM GSTR-1** or using the IFF shall be made available electronically to the concerned registered persons (recipients) in Part A of **FORM GSTR-2A**, in **FORM GSTR-4A** and in **FORM GSTR-6A** through the common portal, **as the case may be**.

(2) The details of invoices furnished by a non-resident taxable person in his return in **FORM GSTR-5** under rule 63 shall be made available to the recipient of credit in Part A of **FORM GSTR-2A** electronically through the common portal.

(3) The details of invoices furnished by an Input Service Distributor in his return in **FORM GSTR-6** under rule 65 shall be made available to the recipient of credit in Part B of **FORM GSTR-2A** electronically through the common portal.

(4) The details of tax deducted at source furnished by the deductor under sub-section (3) of section 39 in FORM GSTR-7 shall be made available to the deductee in Part C of FORM GSTR-2A electronically through the common portal.

(5) The details of tax collected at source furnished by an e-commerce operator under section 52 in FORM GSTR-8 shall be made available to the concerned person in Part C of FORM GSTR-2A electronically through the common portal.

(6) The details of the integrated tax paid on the import of goods or goods brought in domestic Tariff Area from Special Economic Zone unit or a Special Economic Zone developer on a bill of entry shall be made available in Part D of FORM GSTR-2A electronically through the common portal.

(7) An auto-drafted statement containing the details of input tax credit shall be made available to the registered person in FORM GSTR-2B, for every month, electronically through the common portal, and shall consist of -

(i) the details of outward supplies furnished by his supplier, other than a supplier **required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39**, in FORM GSTR-1, between the day immediately after the due date of furnishing of FORM GSTR-1 for the previous month to the due date of furnishing of FORM GSTR-1 for the month;

(ii) the details of invoices furnished by a non-resident taxable person in FORM GSTR-5 and details of invoices furnished by an Input Service Distributor in his return in FORM GSTR-6 and details of outward supplies furnished by his supplier, **required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39**, in FORM GSTR-1 or using the IFF, as the case may be,-

(a) for the first month of the quarter, **between** the day immediately after the **due date** of furnishing of FORM GSTR-1 **for the preceding quarter** to the **due date of furnishing details using** the IFF for the first month of the quarter;

(b) for the second month of the quarter, **between the** day immediately after the **due date of furnishing details using** the IFF for the first month of the quarter to the **due date of furnishing details using** the IFF for the second month of the quarter;

(c) for the third month of the quarter, **between the** day immediately after the **due date of furnishing of** details using the IFF for the second month of the quarter to the due date of furnishing of FORM GSTR-1 **for the quarter**;

(iii) the details of the integrated tax paid on the import of goods or goods brought in the domestic Tariff Area from Special Economic Zone unit or a Special Economic Zone developer on a bill of entry in the month.

(8) The Statement in FORM GSTR-2B for every month shall be made available to the registered person,-

(i) for the first and second month of a quarter, a day after the due date of furnishing of details of outward supplies for the said month, in the IFF by a registered person **required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39**, or in FORM GSTR-1 by a registered person, other than those **required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39, whichever is later**;

(ii) **in the third month of the quarter**, a day after the due date of furnishing of details of outward supplies for the said month, in **FORM GSTR-1** by a registered person **required to furnish return for every quarter under proviso to sub-section (1) of section 39.**

(9) In the said rules, in rule 61, after sub-rule (5), the following sub-rule shall be *inserted* with effect from the 10<sup>th</sup> day of November, 2020, namely:-

“(6) Every registered person other than a person referred to in section 14 of the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (13 of 2017) or an Input Service Distributor or a non-resident taxable person or a person paying tax under section 10 or section 51 or, as the case may be, under section 52 shall furnish a return in FORM GSTR-3B, electronically through the common portal either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner, on or before the twentieth day of the month succeeding such tax period:

Amendment of  
rule 61

Provided that for taxpayers having an aggregate turnover of up to five crore rupees in the previous financial year, whose principal place of business is in the States of Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Goa, Kerala, Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh, the Union territories of Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, Puducherry, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep, the return in FORM GSTR-3B of the said rules for the months of October, 2020 to March, 2021 shall be furnished electronically through the common portal, on or before the twenty-second day of the month succeeding such month:

Provided further that for taxpayers having an aggregate turnover of up to five crore rupees in the previous financial year, whose principal place of business is in the States of Himachal Pradesh, Punjab, Uttarakhand, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Bihar, Sikkim, Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, Meghalaya, Assam, West Bengal, Jharkhand or Odisha, the Union territories of Jammu and Kashmir, Ladakh, Chandigarh or Delhi, the return in FORM GSTR-3B of the said rules for the months of October, 2020 to March, 2021 shall be furnished electronically through the common portal, on or before the twenty-fourth day of the month succeeding such month.”

10. In the said rules, after rule 61, the following rule shall be *inserted* with effect from the 10<sup>th</sup> day of November, 2020, namely: -

Insertion of  
rule 61A

“61A. Manner of opting for furnishing quarterly return.- (1) Every registered person intending to furnish return on a quarterly basis under proviso to sub-section (1) of section 39, shall in accordance with the conditions and restrictions notified in this regard, indicate his preference for furnishing of return on a quarterly basis, electronically, on the common portal, from the 1<sup>st</sup> day of the second month of the preceding quarter till the last day of the first month of the quarter for which the option is being exercised:

Provided that where such option has been exercised once, the said registered person shall continue to furnish the return on a quarterly basis for future tax periods, unless the said registered person,-

(a) becomes in eligible for furnishing the return on a quarterly basis as per the conditions and restrictions notified in this regard; or

(b) opts for furnishing of return on a monthly basis, electronically, on the common portal:

Provided further that a registered person shall not be eligible to opt for furnishing quarterly return in case the last return due on the date of exercising such option has not been furnished.

(2) A registered person, whose aggregate turnover exceeds 5 crore rupees during the current financial year, shall opt for furnishing of return on a monthly basis, electronically, on the common portal, from the first month of the quarter, succeeding the quarter during which his aggregate turnover exceeds 5 crore rupees.

11. In the said rules, for rule 61, the following rule shall be *substituted* with effect from the 1<sup>st</sup> day of January, 2021, namely: -

Amendment  
of rule 61

“61. Form and manner of furnishing of return.- (1) Every registered person other than a person referred to in section 14 of the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (13 of 2017) or an Input Service Distributor or a non-resident taxable person or a person paying tax under section 10 or section 51 or, as the case may be, under section 52 shall furnish a return in FORM GSTR-3B, electronically through the common portal either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner, as specified under -

(i) sub-section (1) of section 39, for each month, or part thereof, on or before the twentieth day of the month succeeding such month;

(ii) proviso to sub-section (1) of section 39, for each quarter, or part thereof, for the class of registered persons mentioned in column (2) of the Table given below, on or before the date mentioned in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely:-

Table

Sl. No.	Class of registered persons	Due Date
(1)	(2)	(3)
1	Registered persons whose principal place of business is in the States of Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Goa, Kerala, Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh, the Union territories of Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, Puducherry, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep.	twenty-second day of the month succeeding such quarter.
2	Registered persons whose principal place of business is in the States of Himachal Pradesh, Punjab, Uttarakhand, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Bihar, Sikkim, Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, Meghalaya, Assam, West Bengal, Jharkhand or Odisha, the Union territories of Jammu and Kashmir, Ladakh, Chandigarh or Delhi.	twenty-fourth day of the month succeeding such quarter.

(2) Every registered person required to furnish return, under sub-rule (1) shall, subject to the provisions of section 49, discharge his liability towards tax, interest, penalty, fees or any other amount payable under the Act or the provisions of this Chapter by debiting the electronic cash ledger or electronic credit ledger and include the details in the return in FORM GSTR-3B.

(3) **Every registered person required to furnish return, every quarter, under clause (ii) of sub-rule (1) shall pay the tax due under proviso to sub-section (7) of section 39, for each of the first two months of the quarter, by depositing the said amount in FORM GST PMT-06, by the twenty fifth day of the month succeeding such month:**

**Provided that the Commissioner may, on the recommendations of the Council, by notification, extend the due date for depositing the said amount in FORM GST PMT-06, for such class of taxable persons as may be specified therein:**

Provided further that any extension of time limit notified by the Commissioner of State tax or Union territory tax shall be deemed to be notified by the Commissioner:

Provided also that while making a deposit in FORM GST PMT-06, such a registered person may –

(a) for the first month of the quarter, take into account the balance in the electronic cash ledger.

(b) for the second month of the quarter, take into account the balance in the electronic cash ledger excluding the tax due for the first month.

(4) The amount deposited by **the registered persons** under sub-rule (3) above, shall be debited while filing the return for the said quarter in FORM GSTR-3B, and any claim of refund of such amount lying in balance in the electronic cash ledger, if any, out of the amount so deposited shall be permitted only after the return in FORM GSTR-3B for the said quarter has been filed.”

Amendment of  
rule 62

12. In the said rules, in rule 62 with effect from the 10<sup>th</sup> day of November, 2020,

(i) in sub-rule (1), the words, figures, letters and brackets “or paying tax by availing the benefit of notification no.-KA.NI-2-810/XI-9(47)/17-U.P. Act-1-2017-Order-(38)-2019 dated May 28, 2019” shall be *omitted*;

(ii) in sub-rule (4), the words, figures, letters and brackets “or by availing the benefit of notification no.-KA.NI-2-810/XI-9(47)/17-U.P. Act-1-2017-Order-(38)-2019 dated May 28, 2019” shall be *omitted*;

(iii) in the explanation to sub-rule (4), the words, figures, letters and brackets “or opting for paying tax by availing the benefit of notification no.-KA.NI-2-810/XI-9(47)/17-U.P. Act-1-2017-Order-(38)-2019 dated May 28, 2019” shall be *omitted*;

(iv) sub-rule (6) shall be *omitted*.

13. In the said rules, for rule 67A, the following rule shall be *substituted* with effect from 15<sup>th</sup> October, 2020 namely: - Amendment of rule 67A

“**67A. Manner of furnishing of return or details of outward supplies by short messaging service facility.**— Notwithstanding anything contained in this Chapter, for a registered person who is required to furnish a Nil return under section 39 in **FORM GSTR-3B** or a Nil details of outward supplies under section 37 in **FORM GSTR-1** or a Nil statement in **FORM GST CMP-08** for a tax period, any reference to electronic furnishing shall include furnishing of the said return or the details of outward supplies or statement through a short messaging service using the registered mobile number and the said return or the details of outward supplies or statement shall be verified by a registered mobile number based One Time Password facility.

*Explanation* - For the purpose of this rule, a Nil return or Nil details of outward supplies or Nil statement shall mean a return under section 39 or details of outward supplies under section 37 or statement under rule 62, for a tax period that has nil or no entry in all the Tables in **FORM GSTR-3B** or **FORM GSTR-1** or **FORM GST CMP-08**, as the case may be.”

14. In the said rules, in rule 80, in sub-rule (3), for the proviso, the following proviso shall be *substituted* with effect from 15<sup>th</sup> October, 2020 namely: - Amendment of rule 80

“Provided that for the financial year 2018-2019 and 2019-2020, every registered person whose aggregate turnover exceeds five crore rupees shall get his accounts audited as specified under sub-section (5) of section 35 and he shall furnish a copy of audited annual accounts and a reconciliation statement, duly certified, in **FORM GSTR-9C** for the said financial year, electronically through the common portal either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner.”

15. In the said rules, in rule 138A, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be *substituted* with effect from 30<sup>th</sup> September, 2020, namely: - Amendment of rule 138-A

“(2) In case, invoice is issued in the manner prescribed under sub-rule (4) of rule 48, the Quick Reference (QR) code having an embedded Invoice Reference Number (IRN) in it, may be produced electronically, for verification by the proper officer in lieu of the physical copy of such tax invoice.”

16. In the said rules, with effect from the 20<sup>th</sup> day of March, 2020, in rule 138E, after the third proviso, the following proviso shall be *inserted*, namely: - Amendment of rule 138-E

“Provided also that the said restriction shall not apply during the period from the 20<sup>th</sup> day of March, 2020 till the 15<sup>th</sup> day of October, 2020 in case where the return in **FORM GSTR-3B** or the statement of outward supplies in **FORM GSTR-1** or the statement in **FORM GST CMP-08**, as the case may be, has not been furnished for the period February, 2020 to August, 2020.”

17. In the said rules, in rule 142, in sub-rule (1A), with effect from 15<sup>th</sup> October, 2020 - Amendment of rule 142

(i) for the words “proper officer shall”, the words “proper officer may” shall be *substituted*;

(ii) for the words “shall communicate”, the word “communicate” shall be *substituted*.

18. In **FORM GSTR-1**,

(i) against serial number 12, in the table, in column 6, in the heading, for the words “Total value”, the words “Rate of tax” shall be *substituted* with effect from 15<sup>th</sup> October, 2020; Amendment of Form GSTR-1

(ii) in the Instructions, after serial number 17, the following instruction shall be *inserted* with effect from the 10<sup>th</sup> day of November, 2020, namely: -

“18. It will be mandatory to specify the number of digits of HSN code for goods or services that a class of registered persons shall be required to mention as may be specified in the notification issued from time to time under proviso to rule 46 of the said rules.

Amendment of  
Form GSTR-2A19. In the said rules, for **FORM GSTR-2A**, with effect from 15<sup>th</sup> October 2020, the following form shall be *substituted*, namely.**“FORM GSTR-2A****[See rule 60(1)]****Details of auto drafted supplies***(From GSTR-1, GSTR-5, GSTR-6, GSTR-7, GSTR-8, import of goods and inward supplies of goods received from SEZ units / developers)*

Year				
Month				

1	GSTIN																		
2	(a)	Legal name of the registered person																	
	(b)	Trade name, if any																	

**PART-A**

(Amount in Rs. all Tables)

**3. Inward supplies received from a registered person including supplies attracting reverse charge**

GSTIN of supplier	Trade/Legal name	Invoice details				Rate (%)	Taxable value	Amount of tax				Place of supply (Name of State/ U.T.)	Supply attracting reverse charge (Y/N)	GSTR-1/5 period	GSTR-1/5 filing date	GSTR-3B filing status (Yes/ No)	Amendment made, if any (GSTIN, Others)	Tax period in which amended	Effective date of cancellation, if any
		No.	Type	Date	Value			Integrated tax	Central tax	State/ U.T. tax	Cess								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

**4. Amendment to Inward supplies received from a registered person including supplies attracting reverse charge (Amendment to 3)**

Details of original Document		Revised details						Rate (%)	Taxable value	Amount of tax				Place of supply (Name of State/ U.T.)	Supply attracting reverse charge (Y/N)	GSTR-1/5 period	GSTR-1/5 filing date	GSTR-3B filing status (Yes/ No)	Amendment made (GSTIN, Others)	Tax period of original record	Effective date of cancellation if any,
		No.	Date	GSTIN	Trade/Legal name	No.	Type	Date	Value	Integrated tax	Central tax	State/ U.T. tax	Cess								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22

**5. Debit / Credit notes received during current tax period**

GSTIN of supplier	Trade/Legal name	Credit / Debit Note Details					Rate (%)	Taxable value	Amount of tax				Place of supply (Name of State/ U.T.)	Supply attracting reverse charge (Y/N)	GSTR-1/5 period	GSTR-1/5 filing date	GSTR-3B filing status (Yes/ No)	Amendment made, if any (GSTIN, Others)	Tax period in which amended	Effective date of cancellation, if any
		No.	Note type	Note supply type	Date	Value			Integrated tax	Central tax	State/ U.T. tax	Cess								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

**6. Amendment to Debit / Credit notes (Amendment to 5)**

Details of original document			Revised details							Rate (%)	Taxable value	Amount of tax				Place of supply (Name of State U.T.)	Supply attracting reverse charge (Y/N)	GSTR-1/5 period	GSTR-1/5 filing date	GSTR-3B filing status (Yes/No)	Amendment made (GSTIN, Others)	Tax period of original record	Effective date of cancellation if any
Type	No.	Date	GSTIN of Supplier	Trade/Legal name	No.	Note type	Note supply type	Date	Value			Integrated tax	Central tax	State/U.T. tax	Cess								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24

**PART-B****7. ISD credit received**

GSTIN of ISD	Trade/Legal name	ISD document details		ISD invoice details (for ISD credit note only)			ITC amount involved				GSTR-6 Period	GSTR-6 filing date	Amendment made, if any	Tax Period in which amended	ITC Eligibility
		Type	No.	Date	No.	Date	Integrated tax	Central tax	State/U.T. tax	Cess					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

**8. Amendments to ISD credit details**

Original ISD Document Details			Revised details					Original ISD invoice details (for ISD credit note only)		ITC amount involved				ISD GSTR-6 Period	ISD GSTR-6 filing date	Amendment made	Tax period of original record	ITC Eligibility
Type	No.	Date	GSTIN of ISD	Trade/Legal name	Type	No.	Date	No.	Date	Integrated Tax	Central Tax	State/U.T. Tax	Cess					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19

**PART- C****9. TDS and TCS Credit (including amendments thereof) received**

GSTIN of Deductor / GSTIN of E-Commerce Operator	DeductorName / E-Commerce Operator Name	Tax period of GSTR-7 / GSTR-8 (Original / Amended)	Amount received / Gross value (Original / Revised)	Value of supplies returned	Net amount liable for TCS	Amount (Original / Revised)		
						Integrated tax	Central tax	State /UT tax
1	2	3	4	5	6	7	8	9
9A. TDS								
9B. TCS								

**PART- D****10. Import of goods from overseas on bill of entry (including amendments thereof)**

ICEGATE Reference date	Bill of entry details				Amount of tax		Amended (Yes/ No)
	Port code	No.	Date	Value	Integrated tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8

**11. Inward supplies of goods received from SEZ units / developers on bill of entry (including amendments thereof)**

GSTIN of the Supplier (SEZ)	Trade / Legal name	ICEGATE Reference date	Bill of Entry details				Amount of tax		Amended (Yes/ No)
			Port code	No.	Date	Value	Integrated tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

**Instructions:**

1. Terms Used :-

- ITC – Input tax credit
- ISD – Input Service Distributor

**2. Important Advisory:** FORM GSTR-2A is statement which has been generated on the basis of the information furnished by your suppliers in their respective FORMS GSTR-1, 5, 6, 7 and 8. It is a dynamic statement and is updated on new addition/amendment made by your supplier in near real time. The details added by supplier would reflect in corresponding FORM GSTR-2A of the recipient irrespective of supplier's date of filing.

3. There may be scenarios where a percentage of the applicable rate of tax rate may be notified by the Government. A separate column will be provided for invoices / documents where such rate is applicable.

4. Table wise instructions:

Table No. and Heading	Instructions
3 Inward supplies received from a registered person including supplies attracting reverse charge	<p>(i) The table consists of all the invoices (including invoices on which reverse charge is applicable) which have been saved / filed by your suppliers in their FORM GSTR-1 and 5.</p> <p>(ii) Invoice type :</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>R- Regular (Other than SEZ supplies and Deemed exports)</li> <li>SEZWP- SEZ supplies with payment of tax</li> <li>SEZWOP- SEZ supplies without payment of tax</li> <li>DE- Deemed exports</li> <li>CBW - Intra-State supplies attracting IGST</li> </ol> <p>(iii) For every invoice, the period and date of FORM GSTR-1/5 in which such invoice has been declared and filed is being provided. It may be noted that the details added by supplier would reflect in corresponding FORM GSTR-2A of the recipient irrespective of supplier's date of filing. For example, if a supplier files his invoice INV-1 dated 10<sup>th</sup> November, 2019 in his FORM GSTR-1 of March, 2020, the invoice will be reflected in FORM GSTR-2A of March, 2020 only. Similarly, if the supplier files his FORM GSTR-1 for the month of November on 5<sup>th</sup> March 2020, the invoice will be reflected in FORM GSTR-2A of November 2019 for the recipient.</p> <p>(iv) The status of filing of corresponding FORM GSTR-3B for FORM GSTR-1 will also be provided.</p> <p>(v) The table also shows if the invoice or debit note was amended by the supplier and if yes, then the tax period in which such invoice was amended, declared and filed. For example, if a supplier has filed his invoice INV-1 dated 10<sup>th</sup> November, 2019 in his FORM GSTR-1 of November, 2019, the invoice will be reflected in FORM GSTR-2A of November, 2019. If the supplier amends this invoice in FORM GSTR-1 of December, 2019, the amended invoice will be made available in Table 4 of FORM GSTR-2A of December, 2019. The original record present in Table 3 of FORM GSTR-2A of November, 2019 for the recipient will now have updated columns of amendment made (GSTIN, others) and tax period of amendment as December, 2019.</p> <p>(vi) In case, the supplier has cancelled his registration, the effective date of cancellation will be provided.</p>

<p>4</p> <p>Amendment to Inward supplies received from a registered person including supplies attracting reverse charge (Amendment to table 3)</p>	<p>i. The table consists of amendment to invoices (including invoice on which reverse charge is applicable) which have been saved/filed by your suppliers in their FORM GSTR-1 and 5.</p> <p>ii. Tax period in which the invoice was reported originally and type of amendment will also be provided. For example, if a supplier has filed his invoice INV-1 dated 10<sup>th</sup> November, 2019 in his FORM GSTR-1 of November, 2019, the invoice will be reflected in FORM GSTR-2A of November, 2019. If the supplier amends this invoice in FORM GSTR-1 of December, 2019, the amended invoice will be made available in Table 4 of FORM GSTR-2A of December, 2019. The original record present in Table 3 of FORM GSTR-2A of November, 2019 for the recipient will now have updated columns of amendment made (GSTIN, others) and tax period of amendment as December, 2019.</p>
<p>5</p> <p>Debit/Credit notes received during current tax period</p>	<p>i. The table consists of the credit and debit notes (including credit/debit notes relating to transactions on which reverse charge is applicable) which have been saved/filed by your suppliers in their FORM GSTR-1 and 5.</p> <p>ii. If the credit/debit note has been amended subsequently, tax period in which the note has been amended will also be provided.</p> <p>iii. Note Type:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ Credit Note</li> <li>○ Debit Note</li> </ul> <p>iv. Note supply type:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ R- Regular (Other than SEZ supplies and Deemed exports)</li> <li>○ SEZWP- SEZ supplies with payment of tax</li> <li>○ SEZWOP- SEZ supplies without payment of tax</li> <li>○ DE- Deemed exports</li> <li>○ CBW - Intra-State supplies attracting IGST</li> </ul> <p>v. For every credit or debit note, the period and date of FORM GSTR-1/5 in which such credit or debit note has been declared and filed is being provided. It may be noted that the details added by supplier would reflect in corresponding FORM GSTR-2A of the recipient irrespective of supplier's filing of FORM GSTR-1. For example, if a supplier files his credit note CN-1 dated 10<sup>th</sup> November, 2019 in his FORM GSTR-1 of March, 2020, the credit note will be reflected in FORM GSTR-2A of March, 2020 only. Similarly, if the supplier files his FORM GSTR-1 for the month of November, on 5<sup>th</sup> March, 2020, the credit note will be reflected in FORM GSTR-2A of November, 2019 for the recipient.</p> <p>vi. The status of filing of corresponding FORM GSTR-3B of suppliers will also be provided.</p> <p>vii. The table also shows if the credit note or debit note has been amended subsequently and if yes, then the tax period in which such credit note or debit note was amended, declared and filed.</p> <p>viii. In case, the supplier has cancelled his registration, the effective date of cancellation will be displayed.</p>
<p>6</p> <p>Amendment to Debit/ Credit notes (Amendment to 5)</p>	<p>i. The table consists of the amendments to credit and debit notes (including credit/debit notes on which reverse charge is applicable) which have been saved/filed by your suppliers in their FORM GSTR-1 and 5.</p> <p>ii. Tax period in which the note was reported originally will also be provided.</p>
<p>7</p> <p>ISD credit received</p>	<p>i. The table consists of the details of the ISD invoices and ISD credit notes which have been saved/filed by an input service distributor in their FORM GSTR-6.</p> <p>ii. Document Type :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ ISD Invoice</li> <li>○ ISD Credit Note</li> </ul>

	<p>iii. If ISD credit note is issued subsequent to issue of ISD invoice, original invoice number and date will also be shown against such credit note. In case document type is ISD Invoice these columns would be blank</p> <p>iv. For every ISD invoice or ISD credit note, the period and date of FORM GSTR-6 in which such respective invoice or credit note has been declared and filed is being provided.</p> <p>v. The status of eligibility of ITC on ISD invoices as declared in FORM GSTR-6 will be provided.</p> <p>vi. The status of eligibility of ITC on ISD credit notes will be provided.</p>
8 Amendment to ISD credit received	i. The table consists of the details of the amendments to details of the ISD invoices and ISD credit notes which have been saved/filed by an input service distributor in their FORM GSTR-6.
9 TDS/TCS credit received	<p>i. The table consists of the details of TDS and TCS credit from FORM GSTR-7 and FORM GSTR-8 and its amendments in a tax period.</p> <p>ii. A separate facility will be provided on the common portal to accept/reject TDS and TCS credit.</p>
10 & 11 Details of Import of goods from overseas on bill of entry and from SEZ units and developers and their respective amendments	<p>i. The table consists of details of IGST paid on imports of goods from overseas and SEZ units / developers on bill of entry and amendment thereof.</p> <p>ii. The ICEGATE reference date is the date from which the recipient is eligible to take input tax credit.</p> <p>iii. The table also provides if the Bill of entry was amended.</p> <p>iv. Information is provided in the tables based on data received from ICEGATE. Information on certain imports such as courier imports may not be available.</p>

Insertion of  
Form 2-B

20. After form 2-A, the following form shall be inserted with effect from the 10<sup>th</sup> day of November, 2020, namely:-

**“FORM-2B**

**[See rule 60(7)]**

**Auto-drafted ITC Statement**

*(From FORM GSTR-1, GSTR-5, GSTR-6 and Import data received from ICEGATE)*

Year	YYYY-YY
Month	

1. GSTIN	
2(a). Legal name of the registered person	
2(b). Trade name, if any	
2(c). Date of generation	DD/MM/YYYY HH:MM

3. ITC Available Summary

(Amount in Rs in all sections)

Sl. No.	Heading	GSTR-3B table	Integrated Tax (Rs.)	Central Tax (Rs.)	State/U.T. tax (Rs.)	Cess (Rs.)	Advisory
Part A	ITC Available - Credit may be claimed in relevant headings in GSTR-3B						
I	All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	4(A)(5)					<p>If this is positive, credit may be availed under Table 4(A)(5) of FORM GSTR-3B.</p> <p>If this is negative, credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.</p>

Details	B2B - Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
II	Inward Supplies from ISD	4(A)(4)					<p>If this is positive, credit may be availed under Table 4(A)(4) of FORM GSTR-3B.</p> <p>If this is negative, credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.</p>
Details	ISD - Invoices						
	ISD - Invoices (Amendment)						
III	Inward Supplies liable for reverse charge	3.1(d) 4(A)(3)					<p>These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax. Credit may be availed under Table 4(A)(3) of FORM GSTR-3B on payment of tax.</p>
Details	B2B - Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
IV	Import of Goods	4(A)(1)					<p>If this is positive, credit may be availed under Table 4(A)(1) of FORM GSTR-3B.</p> <p>If this is negative, credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.</p>
Details	IMPG - Import of goods from overseas						
	IMPG (Amendment)						
	IMGSEZ - Import of goods from SEZ						
	IMGSEZ (Amendment)						

<b>Part B</b> ITC Reversal - Credit shall be reversed in relevant headings in GSTR-3B							
I	Others	4(B)(2)					If this is positive, Credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B. If this is negative, then credit may be reclaimed subject to reversal of the same on an earlier instance.
Details	B2B - Credit notes						
	B2B - Credit notes (Amendment)						
	B2B - Credit notes (Reverse charge)						
	B2B - Credit notes (Reverse charge) (Amendment)						
	ISD - Credit notes						
	ISD - Credit notes (Amendment)						

## 4. ITC Not Available Summary

(Amount in Rs in all sections)

Sl. No.	Heading	GSTR-3B Table	Integrated Tax (Rs)	Central Tax (Rs)	State/UT tax (Rs)	Cess (Rs)	Advisory
Credit which may not be availed under FORM GSTR-3B							
<b>Part A</b> ITC Not Available							
I	All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	NA					Such credit shall not be taken in FORM GSTR-3B
Details	B2B - Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
II	Inward Supplies from ISD	NA					Such credit shall not be taken in FORM GSTR-3B
Details	ISD - Invoices						
	ISD Amendment - Invoices						
III	Inward Supplies liable for reverse charge	3.1(d)					These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax. However, credit will not be available on the same.

Details	B2B - Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
<b>Part B</b> ITC Reversal							
I	Others	<b>4(B)(2)</b>					Credit shall be <b>reversed</b> under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.
Details	B2B - Credit notes						
	B2B - Credit notes (Amendment)						
	B2B - Credit notes (Reverse charge)						
	B2B - Credit notes (Reverse charge) (Amendment)						
	ISD - Credit notes						
	ISD - Credit notes (Amendment)						

## Instructions:

## 1. Terms Used :-

- ITC – Input tax credit
- B2B – Business to Business
- ISD – Input service distributor
- IMPG – Import of goods
- IMPGSEZ – Import of goods from SEZ

## 2. Important Advisory:

(a) **FORM GSTR-2B** is a statement which has been generated on the basis of the information furnished by your suppliers in their respective **FORMS GSTR-1, 5 and 6**. It is a static statement and will be made available once a month. The documents filed by the supplier in any **FORMS GSTR-1, 5 and 6** would reflect in the next open **FORM GSTR-2B** of the recipient irrespective of supplier's date of filing. Taxpayers are advised to refer **FORM GSTR-2B** for availing credit in **FORM GSTR-3B**. However, in case for additional details, they may refer to their respective **FORM GSTR-2A** (which is updated on near real time basis) for more details.

(b) Input tax credit shall be indicated to be non-available in the following scenarios: -

i. Invoice or debit note for supply of goods or services or both where the recipient is not entitled to input tax credit as per the provisions of sub-section (4) of Section 16 of CGST Act, 2017.

ii. Invoice or debit note where the Supplier (GSTIN) and place of supply are in the same State while recipient is in another State.

However, there may be other scenarios for which input tax credit may not be available to the taxpayers and the same has not been generated by the system. Taxpayers, should self-assess and reverse such credit in their **FORM GSTR-3B**.

3. It may be noted that **FORM GSTR-2B** will consist of all the **FORM GSTR-1s, 5s and 6s** being filed by your suppliers, generally between the due dates of filing of two consequent GSTR-1 or furnishing of IFFs, based on the filing option (monthly or quarterly) as chosen by the corresponding supplier. The dates for which the relevant data has been extracted is specified in the CGST Rules and is also available under the "View Advisory" tab on the online portal. For example, **FORM GSTR-2B** for the month of February will consist of all the documents filed by suppliers who choose to file their **FORM GSTR-1** monthly from 00:00 hours on 12<sup>th</sup> February to 23:59 hours on 11<sup>th</sup> March.

4. It also contains information on imports of goods from the ICEGATE system including data on imports from Special Economic Zones Units / Developers.

5. It may be noted that reverse charge credit on import of services is not part of this statement and will be continued to be entered by taxpayers in Table 4(A)(2) of **FORM GSTR-3B**.

6. Table 3 captures the summary of ITC available as on the date of generation of **FORM GSTR-2B**. It is divided into following two parts:

A. Part A captures the summary of credit that may be availed in relevant tables of **FORM GSTR-3B**.

B. Part B captures the summary of credit that shall be reversed in relevant table of **FORM GSTR-3B**.

7. Table 4 captures the summary of ITC not available as on the date of generation of **FORM GSTR-2B**. Credit available in this table shall not be availed as credit in **FORM GSTR-3B**. However, the liability to pay tax on reverse charge basis and the liability to reverse credit on receipt of credit notes continues for such supplies.

8. Taxpayers are advised to ensure that the data generated in **FORM GSTR-2B** is reconciled with their own records and books of accounts. Tax payers shall ensure that

a. No credit shall be taken twice for any document under any circumstances.

b. Credit shall be reversed wherever necessary.

c. Tax on reverse charge basis shall be paid.

9. Details of invoices, credit notes, debit notes, ISD invoices, ISD credit and debit notes, bill of entries etc. will also be made available online and through download facility.

10. There may be scenarios where a percentage of the applicable rate of tax rate may be notified by the Government. A separate column will be provided for invoices / documents where such rate is applicable.

11. Table wise instructions:

Table No. and Heading	Instructions
Table 3 Part A Section I All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	<p>i. This section consists of the details of supplies (other than those on which tax is to be paid on reverse charge basis), which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1 and 5</b>.</p> <p>ii. This table displays only the supplies on which input tax credit is available.</p> <p>iii. Negative credit, if any may arise due to amendment in B2B-Invoices and B2B - Debit notes. Such credit shall be reversed in Table 4(B)(2) of <b>FORM GSTR-3B</b>.</p>
Table 3 Part A Section II Inward Supplies from ISD	<p>i. This section consists of the details of supplies, which have been declared and filed by an input service distributor in their <b>FORM GSTR-6</b>.</p> <p>ii. This table displays only the supplies on which ITC is available.</p> <p>iii. Negative credit, if any, may arise due to amendment in ISD Amendments - Invoices. Such credit shall be reversed in table 4(B)(2) of <b>FORM GSTR-3B</b>.</p>
Table 3 Part A Section III Inward Supplies liable for reverse charge	<p>i. This section consists of the details of supplies on which tax is to be paid on reverse charge basis, which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1</b>.</p> <p>ii. This table provides only the supplies on which ITC is available.</p> <p>iii. These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of <b>FORM GSTR-3B</b> for payment of tax. Credit may be availed under Table 4(A)(3) of <b>FORM GSTR-3B</b> on payment of tax.</p>
Table 3 Part A Section IV Import of Goods	<p>i. This section provides the details of IGST paid by you on import of goods from overseas and SEZ units / developers on bill of entry and amendment thereof. These details are updated on near real time basis from the ICEGATE system.</p> <p>ii. This table shall consist of data on the imports made by you (GSTIN) in the month for which <b>FORM GSTR-2B</b> is being generated for.</p> <p>iii. The ICEGATE reference date is the date from which the recipient is eligible to take input tax credit.</p> <p>iv. The table also provides if the Bill of entry was amended.</p> <p>v. Information is provided in the tables based on data received from ICEGATE. Information on certain imports such as courier imports may not be available.</p>

Table 3 Part B Section I Others	<p>i. This section consists of the details of credit notes received and amendment thereof which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1 and 5</b></p> <p>ii. Such credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B. If this value is negative, then credit may be reclaimed subject to reversal of the same on an earlier instance.</p>																			
Table 4 Part A Section I All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	<p>i. This section consists of the details of supplies (other than those on which tax is to be paid on reverse charge basis), which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1 and 5</b>.</p> <p>ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available.</p> <p>iii. This is for information only and such credit shall not be taken in <b>FORM GSTR-3B</b>.</p>																			
Table 4 Part A Section II Inward Supplies from ISD	<p>i. This section consists of the details supplies, which have been declared and filed by an input service distributor in their <b>FORM GSTR-6</b>.</p> <p>ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available.</p> <p>iii. This is for information only and such credit shall not be taken in <b>FORM GSTR-3B</b>.</p>																			
Table 4 Part A Section III Inward Supplies liable for reverse charge	<p>i. This section consists of the details of supplies liable for reverse charge, which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1</b>.</p> <p>ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available.</p> <p>iii. These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of <b>FORM GSTR-3B</b> for payment of tax. However, credit will not be available on such supplies.</p>																			
Table 4 Part B Section I Others	<p>i. This section consists details the credit notes received and amendment thereof which have been declared and filed by your suppliers in their <b>FORM GSTR-1 and 5</b></p> <p>ii. This table provides only the credit notes on which ITC is not available.</p> <p>iii. Such credit shall be reversed under Table 4(B)(2) of <b>FORM GSTR-3B</b>.</p>																			
<p>21. In the said rules, in <b>FORM GSTR-5</b>, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020 -</p> <p>(i) in the table, -</p> <p>(a) in serial number 2, after entry (c), the following entries shall be <i>inserted</i>, namely: -</p> <table><tr><td>“(d)</td><td>ARN</td><td>Auto Populated</td></tr><tr><td>(e)</td><td>Date of ARN</td><td>Auto Populated.”;</td></tr></table> <p>(b) in serial number 10, -</p> <p>(A) in the heading, after the words, “Total tax liability”, the brackets and words “(including reverse charge liability, if any)”, shall <i>be inserted</i>;</p> <p>(B) after serial number 10B and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be <i>inserted</i>, namely, -</p> <table><tr><td colspan="6">“10C. On account of inward supplies liable to reverse charge</td></tr><tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>.”;</td></tr></table>		“(d)	ARN	Auto Populated	(e)	Date of ARN	Auto Populated.”;	“10C. On account of inward supplies liable to reverse charge											.”;	Amendment of Form GSTR-5
“(d)	ARN	Auto Populated																		
(e)	Date of ARN	Auto Populated.”;																		
“10C. On account of inward supplies liable to reverse charge																				
					.”;															

(ii) in the instructions, -

(a) for paragraph 7, the following paragraph shall be *substituted*, namely: -

“7. Invoice-level information, rate-wise, pertaining to the tax period should be reported as under:

(i) for all B to B supplies (whether inter-State or intra-State), invoice level details should be uploaded in Table 5;

(ii) for all inter-state B to C supplies, where invoice value is more than Rs. 2,50,000/- (B to C Large) invoice level detail to be provided in Table 6; and

(iii) for all B to C supplies, other than those reported in table 6, shall be reported in Table 7 providing State-wise summary of such supplies.”;

(b) in paragraph 8, in clause (ii), after the words, “invoice value is more than”, the word “rupees”, shall be *inserted*;

(c) for paragraph 10, the following paragraph shall be *substituted*, namely: -

“10. Table 10 consists of tax liability on account of outward supplies declared in the current tax period and negative ITC on account of amendment to import of goods in the current tax period. Inward supplies attracting reverse charge shall be reported in Part C of the table.”

Amendment of  
Form GSTR 5-A

22. In the said rules, in **FORM GSTR-5A**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020 -

(i) against serial number 4 and entries relating thereto, the following entries shall be *inserted*, namely: -

“4(a) ARN:

4(b) Date of ARN:”;

(ii) for serial number 6, the following shall be *substituted*, namely: -

**“6. Calculation of interest, or any other amount**

(Amount in Rupees)

Sr. No.	Description	Place of supply (State/UT)	Amount due (Interest/ Other)	
			Integrated tax	Cess
1	2	3	4	5
1	Interest			
2	Others			
	Total			

(iii). for serial number 7, the following shall be *substituted*, namely: -

**“7. Tax, interest and any other amount payable and paid**

(Amount in Rupees)

Sr. No.	Description	Amount payable		Debit entry no.	Amount paid	
		Integrated tax	Cess		Integrated tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7
1	Tax Liability (based on Table 5 & 5A)					
2	Interest (based on Table 6)					
3	Others (based on Table 6)					

23. In the said rules, in **FORM GSTR-9**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020- Amendment of Form GSTR-9
- (i) in the Table, -
- (a) against serial number 8C, in column 2, for the entry, the following entry shall be *substituted*, namely: -
- “ITC on inward supplies (other than imports and inward supplies liable to reverse charge but includes services received from SEZs) received during the financial year but availed in the next financial year up to specified period”;
- (b) against Pt. V, for the heading, the following heading shall be *substituted*, namely: -
- “Particulars of the transactions for the financial year declared in returns of the next financial year till the specified period.”;
- (ii) in the instructions, -
- (a) after paragraph 2, the following entry shall be *inserted*, namely,-
- “2A. In the Table, against serial numbers 4, 5, 6 and 7, the taxpayers shall report the values pertaining to the financial year only. The value pertaining to the preceding financial year shall not be reported here.”
- (b) in paragraph 4, -
- (A) after the words, letters and figures, “that additional liability for the FY 2017-18 or FY 2018-19”, the word, letters and figures “or FY 2019-20” shall be *inserted*;
- (B) in the Table, in second column, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19” wherever they occur, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*;
- (c) in paragraph 5, in the Table, in second column, -
- (A) against serial number 6B, after the entries, the following entry shall be *inserted*, namely: -
- “For FY 2019-20, the registered person shall report the breakup of input tax credit as capital goods and have an option to either report the breakup of the remaining amount as inputs and input services or report the entire remaining amount under the “inputs” row only.”;
- (B) against serial number 6C and serial number 6D, -
- (i) after the entry ending with the words “entire input tax credit under the “inputs” row only.”, the following entry shall be *inserted*, namely: -
- “For FY 2019-20, the registered person shall report the breakup of input tax credit as capital goods and have an option to either report the breakup of the remaining amount as inputs and input services or report the entire remaining amount under the “inputs” row only.”;
- (ii) in the entry ending with the words, figures and letters “Table 6C and 6D in Table 6D only.”, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19”, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*;
- (C) against serial number 6E, after the entry, the following entry shall be *inserted*, namely: -
- “For FY 2019-20, the registered person shall report the breakup of input tax credit as capital goods and have an option to either report the breakup of the remaining amount as inputs and input services or report the entire remaining amount under the “inputs” row only.”;
- (D) against serial number 7A, 7B, 7C, 7D, 7E, 7F, 7G and 7H, in the entry, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19”, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*;
- (E) against serial number 8A, after the entry, the following entry shall be *inserted*, namely: -
- “For FY 2019-20, it may be noted that the details from **FORM GSTR-2A** generated as on the 1st November, 2020 shall be auto-populated in this table.”;

(F) against serial number 8C, for the entries, the following entry shall be *substituted*, namely:-

“Aggregate value of input tax credit availed on all inward supplies (except those on which tax is payable on reverse charge basis but includes supply of services received from SEZs) received during the financial year for which the annual return is being filed for but credit on which was availed in the next financial year within the period specified under Section 16(4) of the CGST Act, 2017.”;

(d) in paragraph 7,-

(A) after the words and figures “April 2019 to September 2019.”, the following shall be *inserted*, namely: -

“For FY 2019-20, Part V consists of particulars of transactions for the previous financial year but paid in the **FORM GSTR-3B** between April 2020 to September 2020.”;

(B) in the Table, in second column, -

(I) against serial number 10 & 11, after the entries, the following entry shall be *inserted*, namely: -

“For FY 2019-20, Details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 9A, Table 9B and Table 9C of **FORM GSTR-1** of April 2020 to September 2020 shall be declared here.”;

(II) against serial number 12, -

(1) in the entry beginning with the word, letters and figures “For FY 2018-19” after the words “for filling up these details.”, the following entry shall be *inserted*, namely: -

“For FY 2019-20, Aggregate value of reversal of ITC which was availed in the previous financial year but reversed in returns filed for the months of April 2020 to September 2020 shall be declared here. Table 4(B) of **FORM GSTR-3B** may be used for filling up these details. For FY 2019-20, the registered person shall have an option to not fill this table.”;

(2) in the entry beginning with the word, letters and figures “For FY 2017-18” and ending with the words “an option to not fill this table.”, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19”, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*;

(III) against serial number 13, -

(1) in the entry beginning with the word, letters and figures “For FY 2018-19” after the words, letters and figures “in the annual return for FY 2019-20.”, the following entry shall be *inserted*, namely: -

“For FY 2019-20, Details of ITC for goods or services received in the previous financial year but ITC for the same was availed in returns filed for the months of April 2020 to September 2020 shall be declared here. Table 4(A) of **FORM GSTR-3B** may be used for filling up these details. However, any ITC which was reversed in the FY 2019-20 as per second proviso to sub-section (2) of section 16 but was reclaimed in FY 2020-21, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2020-21.”;

(2) in the entry beginning with the word, letters and figures “For FY 2017-18” and ending with the words “an option to not fill this table.”, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19”, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*;

(e) in paragraph 8, in the Table, in second column, for the letters, figures and word “FY 2017-18 and 2018-19” wherever they occur, the letters, figures and word “FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20” shall be *substituted*.

24. In the said rules, in **FORM GSTR-9C**, in the instructions, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020 -

Amendment of  
Form GSTR-9C

(i) in paragraph 4, in the Table, in second column, for the letters, figures and word "FY 2017-18 and 2018-19" wherever they occur, the letters, figures and word "FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20" shall be *substituted*;

(ii) in paragraph 6, in the Table, in second column, for the letters, figures and word "FY 2017-18 and 2018-19" wherever they occur, the letters, figures and word "FY 2017-18, 2018-19 and 2019-20" shall be *substituted*.

25. In the said rules, in **FORM GST RFD-01**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, in Annexure-1, in Statement-2, in the heading the brackets, word and letters "(accumulated ITC)", shall be *omitted*.

Amendment of  
Form GST  
RFD-01

26. In the said rules, in **FORM GST ASMT-16**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, for the table, the following table shall be *substituted*, namely:-

Amendment of  
Form GST  
ASMT-16

"Sr. No.	Tax Rate	Turnover	Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
			From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Total												"

27. In the said rules, in **FORM GST DRC-01**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, after entry (c), for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

Amendment of  
Form GST  
DRC-01

"Sr. No.	Tax rate	Turnover	Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
			From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Total												"

28. In the said rules, in **FORM GST DRC-02**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, after entry (c), for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

Amendment of  
Form GST  
DRC-02

"Sr. No.	Tax rate	Turnover	Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
			From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												"
Total												

29. In the said rules, in **FORM GST DRC-07**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, after serial number 5, for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

Amendment of  
Form GST  
DRC-07

"Sr. No.	Tax Rate	Turnover	Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
			From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Total												"

30. In the said rules, in **FORM GST DRC-08**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, after serial number 7, for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

Amendment of  
Form GST  
DRC-08

"Sr. No.	Tax Rate	Turnover	Tax Period		Act	POS (Place of Supply)	Tax	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
			From	To								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Total												"

Amendment of  
Form GST  
DRC-09

31. In the said rules, in **FORM GST DRC-09**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

"Act	Tax/Cess	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7
Integrated tax						
Central tax						
State/UT tax						
Cess						
Total						"

Amendment of  
Form GST  
DRC-24

32. In the said rules, in **FORM GST DRC-24**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

"Act	Tax	Interest	Penalty	Fee	Other Dues	Total Arrears
1	2	3	4	5	6	7
Central tax						
State / UT tax						
Integrated tax						
Cess						"

Amendment of  
Form GST  
DRC-25

33. In the said rules, in **FORM GST DRC-25**, with effect from the 15<sup>th</sup> day of October, 2020, for the table, the following table shall be *substituted*, namely: -

"Act	Tax	Interest	Penalty	Fee	Other Dues	Total Arrears
1	2	3	4	5	6	7
Central tax						
State / UT tax						
Integrated tax						
Cess						"

By order,  
ALOK SINHA,  
Apar Mukhya Sachiv.

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 620 राजपत्र-2021-(1239)-599 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 73 सा० राज्य कर-2021-(1240)-1,000 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।

